घेलवाड-दाभेल के राजा गणेश का लिया आशीर्वाद

दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik asliazadidainikofficial

असली आज़ादी

The Voice of Union Territory Dadra and Nagar Haveli and Daman-Diu Since 2005 www.asliazadi.com

■ वर्ष: 20, अंक: 305 ■ दमण, गुरुवार 28 अगस्त 2025, ■ पृष्ठ: 8+4=12 ■ मूल्य: 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

9 साल का यादगार सफर

सपना एक देखोगे मुश्किलें हजार आएंगी, लेकिन वो मंजर बड़ा खूबसूरत होगा जब कामयाबी शोर मचाएगी

आज से 9 साल पहले प्रफुल पटेल ने संघ प्रदेश के प्रशासक के रूप में पदभार संभाला था तब शायद किसी ने नहीं सोचा था कि केंद्र सरकार से विकास फंड के लिए एक भी रूपया अतिरिक्त लिए बिना आवंटित फंड से ही प्रदेश को सुविधायुक्त बनाया जा सकता है। प्रशासक प्रफुल पटेल ने शुरूआत के कुछ महीने इस संघ प्रदेश की भौगोलिक, सामाजिक एवं आर्थिक परिस्थिति को समझने के लिए बिताया। लगातार ग्राउंड जीरो पर प्रदेश के तीनों जिलों का दौरा करके विकास संभावनाओं को तलाशा। 2017 में प्रशासक प्रफुल पटेल ने सबसे पहले दमण का विजन डॉक्यूमेंट जनता के सामने पेश किया था। जिसमें दर्शाया गया था कि दमण का समुद्र तट सहित किले और आसपास का क्षेत्र किस प्रकार से सौंदर्यीकरण के साथ विकसित होगा। इसी तरह दीव और दादरा नगर हवेली के लिए भी उनके विजन को जनता के सामने प्रस्तुत किया गया। प्रशासक प्रफुल पटेल ने जनता को जो सपने दिखाये थे उसे वास्तविक रूप से धरातल पर उतार कर उसे सच कर दिखाया। समुद्र किनारे बने सी-फ्रंट रोड नमो पथ और रामसेतु हो, दादरा नगर हवेली में भव्य नमो मेडिकल कॉलेज या नमो अस्पताल हो, इंजीनियरिंग कॉलेज या दीव का एजुकेशन हब हो, आईएनएस खुकरी हो या ऐतिहासिक धरोहरों का ब्यूटीफिकेशन हो सभी प्रोजेक्ट उच्च गुणवत्ता के साथ नजरों के सामने है। प्रशासक प्रफुल पटेल ने संघ प्रदेश की सडकों को आने वाले 50 वर्ष की आबादी को ध्यान में रखते हुए चौडा करवाया है। हालांकि इसके लिए उन्होंने कटु बातें भी खूब सुनी है। संघ प्रदेश थ्रीडी के मेडिकल कॉलेज सहित के प्रोजेक्ट हो, रामसेतु या नमो पथ हो या फिर प्रदेश की चौडी और मजबूत सडके हो क्या यह सब प्रशासक प्रफुल पटेल अपने साथ हिम्मतनगर ले जायेंगे? जवाब है नहीं। यह सभी प्रोजेक्ट इसी संघ प्रदेश में निवास करने वाले नागरिकों को कई दशकों तक सुविधाएं देते रहेंगे। 9 वर्ष की इस पूरी यात्रा में प्रदेश के सभी स्थानीय स्वराज संस्थाओं के जनप्रतिनिधियों, विभिन्न राजनीतिक दलों के अग्रणियों, समाज के अग्रणियों, होटेलियर और उद्योगपतियों और पत्रकारों ने भी प्रशासक प्रफुल पटेल का खुलकर साथ निभाया है। इसके पीछे सिर्फ एक कारण था कि लोगों को प्रफुल पटेल की बात पर यकिन था। 9 वर्षों की इस यादगार यात्रा के लिए यह शायरी - **सपना एक देखोगे मुश्किलें हजार आएंगी, लेकिन वो मंजर बड़ा खूबसूरत होगा जब कामयाबी शोर मचाएगी** एकदम सटिक बैठती है। आज संघ प्रदेश की कामयाबी शोर मचा रही है जिसका उदाहरण हर शनिवार, रविवार और राष्ट्रीय त्यौहारों के दिन नमो पथ और रामसेतु पर देखने को मिलता है।

9 वर्षों का विश्वास, निरंतर विकास

संघ प्रदेश थ्रीडी में प्रशासक प्रफुल पटेल के कार्यकाल के आज 9 साल हुए पूरे

■ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अगस्त 2016 में अपने साथी गृहमंत्री रहे प्रफुल पटेल को संघ प्रदेश के प्रशासक के रूप में जिम्मेदारी सौंपकर प्रदेश को मॉडल प्रदेश बनाने का टास्क दिया था ■ पिछले 9 सालों में पीएम मोदी के मार्गदर्शन एवं दिशा-निर्देश में प्रशासक प्रफुल पटेल ने उच्च शिक्षा की मेडिकल, इंजीनियरिंग, निफ्ट, लॉ, नर्सिंग सहित सभी सुविधाएं उपलब्ध कराकर प्रदेश में शिक्षा क्रांति लाए है ■ पर्यटन विकास, नए अस्पताल एवं प्राथमिक आरोग्य केंद्रों का निर्माण, इंफ्रास्ट्रक्चर, नए एयरपोर्ट टर्मिनल का कनेक्टिविटी सहित अनेक परियोजनाओं के कारण संघ प्रदेश थ्रीडी मॉडल प्रदेश बन गया है ■ सामाजिक एवं औद्योगिक सुरक्षा और महिला आत्मनिर्भर अभियान के कारण रोजगारी के नए अवसरों का सृजन हुआ

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 27 अगस्त।

प्रधानमत्री नरेन्द्र मोदी ने 9 साल पहले साहसिक निर्णय लेते हुए केंद्र द्वारा सीधे शासित प्रदेश की कमान राज्यपाल और उपराज्यपाल की तर्ज पर राजनीतिक नियुक्ति करते हुए गुजरात के अपने साथी गृहमंत्री प्रफुल पटेल को सौंपी थी। पीएम मोदी के सीधे मार्गदर्शन एवं दिशा-निर्देश में प्रशासक प्रफुल पटेल ने संघ प्रदेश थ्रीडी में ग्राउंड जीरो पर अधिकारियों और कर्मचारियों की टीम के साथ लगातार मेहनत करके इस प्रदेश को पिछले 9 साल में मॉडल प्रदेश की श्रेणी में लाकर खडा कर दिया है। इस छोटे से संघ प्रदेश में सरकारी मेडिकल कॉलेज, सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज, सरकारी नर्सिंग कॉलेज, निफ्ट, लॉ यूनिवर्सिटी, आईआईआईटी कैंपस, आधुनिक सरकारी प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के भवन, नंदघर जैसी आंगणवाडी, समुद्र किनारे नमो पथ, रामसेतू सहित के समुद्र किनारे अद्भुत प्रोजेक्ट, ऐतिहासिक किले एवं धरोहरों के आसपास सौंदर्यीकरण, प्रदेश सभी मुख्य सडकों का आधुनिक पद्धति से नवीनीकरण, ओवरब्रिज सहित के इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट, सामाजिक एवं औद्योगिक सुरक्षा को मजबूत करने, महिला आत्मनिर्भर अभियान के तहत हजारों महिलाओं को सेल्फ हेल्प ग्रुप के माध्यम से गृह उद्योग से जोडना, गर्भवती एवं धात्री महिलाओं, दिव्यांगों, विभिन्न गंभीर बीमारियों से लड रहे नागरिकों को सीएसआर के तहत राशन किट का वितरण सहित सामाजिक, आर्थिक, औद्योगिक एवं पर्यटन सहित के प्रोजेक्टों ने प्रदेश का भाग्य बदल दिया है। एक अंदाज के मुताबिक, प्रदेश की बडी आबादी सरकार की कोई न कोई योजना या सीएसआर जैसी सुविधा का लाभार्थी है। गौरतलब है कि पिछले 9 साल में प्रशासक प्रफुल पटेल ने अपनी कर्मभूमि संघ प्रदेश थ्रीडी को जन्मभूमि जैसा महत्व देते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य सहित की सभी सुविधाएं प्रदेश में ही उपलब्ध कराने के लिए ग्राउंड जीरो पर लगातार पसीना बहाया है।

प्रशासक प्रफुल पटेल के जन्मदिन एवं संघ प्रदेश में 9 साल का कार्यकाल पूरा होने पर प्रदेश में आयोजित होंगे कई सेवाकीय कार्यक्रम

■ प्रदेश के तीनों जिलों की आंगणवाडी एवं विद्यालयों में तिथि भोजन का होगा आयोजन, अस्पतालों में मरीजों को बांटे जायेंगे फ्रूट, जरूरतमंदों में राशन किट का वितरण, दमण के दिलीपनगर में महायज्ञ और महाप्रसाद का आयोजन, तीनों जिलों के विभिन्न मंदिरों में महिलाओं द्वारा पूजा-आरती, गौ शालाओं में गौ सेवा, स्थानीय स्वराज संस्थाओं में पीएम मोदी और प्रशासक प्रफुल पटेल के प्रति आभार प्रस्ताव पारित करने सहित कई कार्यक्रमों से यादगार बनाया जायेगा 9 साल पर विकास उत्सव

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 27 अगस्त।

संघ प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली और दमण-दीव प्रशासक प्रफुल पटेल के जन्मदिन और प्रदेश में प्रशासक के रूप में 9 साल पूरा होने पर आज संघ प्रदेश थ्रीडी के तीनों जिलों में विभिन्न सेवाकीय कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे। प्रशासक प्रफुल पटेल के जन्मदिन पर आज संघ प्रदेश के तीनों जिलों की आंगणवाडी एवं विद्यालयों में बच्चों के लिए तिथि भोजन का आयोजन किया जायेगा। तीनों जिलों के सरकारी अस्पतालों में मरीजों को फ्रूट बांटे जायेंगे। जरूरतमंदों में राशन किट का वितरण किया जायेगा। डीडीए द्वारा दमण के दिलीपनगर में महायज्ञ और महाप्रसाद का आयोजन किया जायेगा। तीनों जिलों के विभिन्न मंदिरों में महिलाओं द्वारा पूजा-आरती करके प्रशासक प्रफुल पटेल के अच्छे स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की जायेगी। गौ शालाओं में गौ सेवा के साथ ही स्थानीय स्वराज संस्थाओं में पीएम मोदी और प्रशासक प्रफुल पटेल के प्रति आभार प्रस्ताव पारित करने सहित कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। प्रशासक प्रफुल पटेल के कार्यकाल को प्रदेश में 9 साल पूरे होने पर विकास उत्सव मनाकर यादगार बनाया जायेगा। गौरतलब है कि इन सभी कार्यक्रमों में ग्राम पंचायत के सरपंचों, सदस्यों, जिला पंचायत सदस्यों और म्युनिसिपल काउंसिल के काउंसिलरों, होटल एवं उद्योग से जुडे हुए लोगों, विभिन्न समाजों एवं संस्थाओं के अग्रणियों की मुख्य भूमिका रहेगी, जिसमें स्कूलों एवं कॉलेजों के छात्रों की सहभागिता रहेगी।

घेलवाड-दाभेल के राजा गणपति के दरबार में संघ प्रदेश थ्रीडी भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया और भाजपा महामंत्री जिग्नेश पटेल ने टेका मत्था : देश के लिए सुख-शांति की कामना की

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 27 अगस्त। घेलवाड-दाभेल के राजा गणपति के दरबार में संघ प्रदेश थ्रीडी भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया और भाजपा महामंत्री जिग्नेश पटेल ने आज भगवान गणेश की पूजा कर देश के लिए सुख-शांति की कामना की। पिछले कई दशकों से स्व. डाह्याभाई पटेल परिवार द्वारा उनके पैतृक निवासस्थान के पास गणेशोत्सव का आयोजन होता आ रहा है।

पीएम मोदी द्वारा नियुक्त प्रशासक प्रफुल पटेल के संघ प्रदेश में 9 साल पूरे होने पर भाजपा ने जगह-जगह लगाए साइन बोर्ड और कटआउट : 9 साल का बलून भी लगाया

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 27 अगस्त। संघ प्रदेश थ्रीडी भारतीय जनता पार्टी के प्रमुख सहित की नई टीम पीएम मोदी द्वारा नियुक्त प्रशासक प्रफुल पटेल के प्रदेश में सफलतम 9 साल के कार्यकाल को विकास उत्सव के रूप में मना रहे है। भाजपा के सभी नेता और जनप्रतिनिधि अपनी-अपनी ओर से विभिन्न कार्यक्रम भी कर रहे है। तस्वीर में भाजपा प्रमुख महेश आगरिया और भाजपा महामंत्री जिग्नेश पटेल नजर आ रहे है जो प्रशासक प्रफुल पटेल के कटआउट सहित बलून लगा रहे अपने कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन कर रहे है।

वाराणसी एयरपोर्ट पर यात्री के लगेज में कारतूस मिला : सीआईएसएफ ने हिरासत में लिया

वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी में बुधवार को लाल बहादुर शास्त्री इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर यात्री के बैग में कारतूस मिला। यात्री का लगेज जांच के दौरान कारतूस बरामद किया गया। इसके बाद सीआईएसएफ ने यात्री को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी। जौनपुर के बरेठी का रहने वाला दीपेंद्र शर्मा इंडिगो की फ्लाइट से वाराणसी से कोलकाता जा रहा था। 11 बजे बाबतपुर एयरपोर्ट पहुंचा था, जहां पर उसने चेक-इन के लिए प्रवेश किया और अपना लगेज इंडिगो काउंटर पर जमा कर दिया। सामान जब स्कैनर से होकर गुजारा, तब वॉर्निंग अलार्म बजने लगा। आनन-फानन में बैग को खोलकर देखने पर उसमें एक प्रतिबंधित असलहे का कारतूस बरामद हुआ। इसके कब्जे में लेकर सीआईएसएफ ने दीपेंद्र को भी हिरासत में लिया। वाराणसी से कोलकाता जाने वाला इंडिगो का विमान भी निर्धारित समय से विलंबित हो गया। हालांकि जिस यात्री के पास से कारतूस बरामद हुआ उससे अभी तक पूछताछ की जा रही है। फिलहाल सीआईएसएफ ने यात्री को फूलपुर पुलिस के हवाले कर दिया है। वहीं परिजन भी थाने पहुंचे हैं।

भारी बारिश के चलते कई निचले इलाके जलमग्न, 5000 से ज्यादा लोगों को सुरक्षित जगह पहुंचाया

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश के चलते कई निचले इलाके जलमग्न हुए हैं। बाढ़ की स्थिति को देखकर उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने जम्मू के संभागीय आयुक्त रमेश कुमार सहित अन्य अधिकारियों के साथ बातचीत कर राहत व बचाव कार्यों की समीक्षा की। उपराज्यपाल ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि जिन क्षेत्रों में पानी कम हो रहा है, वहां बिजली, संचार और पेयजल आपूर्ति को बहाल किया जाए। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल सिन्हा ने पोस्ट कर लिखा, 5000 से ज्यादा लोगों को निचले बाढ़ प्रभावित इलाकों से निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। सेना, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें संभागीय आयुक्त कार्यालय के साथ मिलकर काम कर रही हैं। उपराज्यपाल सिन्हा ने कहा कि प्रभावित लोगों को पर्याप्त राहत सामग्री और हर संभव सहायता दी जा रही है। इसके पहले, कटरा में हुए भूस्खलन पर सिन्हा ने दुख जताया। उन्होंने बताया कि कई मृतकों की पहचान हो गई है और उनके शव घर भेजने की व्यवस्था की जा रही है।

वैष्णोदेवी यात्रा स्थगित, भूस्खलन में 30 श्रद्धालुओं की मौत, महाराष्ट्र के 27 श्रद्धालु लापता

जलगांव (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश के कारण भूस्खलन, बाढ़ और भारी नुकसान हुआ है। दरअसल कटरा स्थित वैष्णो देवी मंदिर के रास्ते में मंगलवार को भीषण भूस्खलन हुआ। इस हादसे में 30 तीर्थयात्रियों की मौत होने की खबर है। स्थिति को देखते हुए श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने अगले आदेश तक यात्रा स्थगित कर दी है। रेल यातायात भी पूरी तरह से बाधित हो गया है और जम्मू व कटरा से चलने वाली 22 ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं। जबकि 27 ट्रेनों को रास्ते में ही रोक दिया गया है। इससे हजारों यात्रियों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। इस बीच बताया ये जा रहा है कि महाराष्ट्र के जलगांव जिले के मुक्ताईनगर तालुका से 27 पर्यटक वैष्णोदेवी दर्शन के लिए गए हैं और मंगलवार दोपहर से उनसे संपर्क नहीं हो पाया है। हालाँकि, प्रशासन की ओर से अभी तक इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है।

मुंबई की सबसे बड़ी प्रॉपर्टी डील, वर्ली में एक फ्लैट 131.74 करोड़ रुपये में बिका

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के लग्जरी रियल एस्टेट मार्केट में एक और बड़ी डील हुई है। खबर है कि वर्ली में एक फ्लैट 131.74 करोड़ रुपये में बिका है। इसे मुंबई का सबसे बड़ा प्रॉपर्टी सौदा माना जा रहा है। इस फ्लैट के लेन-देन के लिए बड़ी मात्रा में स्टांप ड्यूटी का भुगतान किया गया है। बताया जा रहा है कि आनंद राठी वेल्थ के सह-संस्थापक और उपाध्यक्ष प्रदीप नवरत्न गुप्ता ने वर्ली में एक शानदार फ्लैट खरीदा है। उन्होंने वर्ली में समुद्र के किनारे स्थित इस फ्लैट को 131.74 करोड़ रुपये में खरीदा है। रियल एस्टेट एनालिटिक्स फर्म सीआरई मैट्रिक्स के अनुसार, यह सौदा 20 अगस्त, 2025 को पंजीकृत किया गया था। यह संपत्ति वर्ली में लोढ़ा सी फेस के विंग ए में स्थित है। यह फ्लैट 10,538 वर्ग फीट का है और अपार्टमेंट की कीमत लगभग 1,25,018 रुपये प्रति वर्ग फुट है, जो मुंबई में लक्जरी हाउसिंग सेगमेंट में इसकी प्रीमियम स्थिति को दर्शाती है। सौदे में विक्रेता लोढ़ा डेवलपर्स लिमिटेड है, जो देश के अग्रणी लक्जरी रियल एस्टेट डेवलपर्स में से एक है। विशेषज्ञों का कहना है कि रियल एस्टेट में महंगे सौदों का चलन भारत में तेजी से बढ़ती संपत्ति और दक्षिण और मध्य मुंबई में समुद्र के सामने लक्जरी घरों की बढ़ती मांग को दर्शाता है। सीआरई मैट्रिक्स के अनुसार, इस तरह के सौदे राज्य के स्टांप शुल्क संग्रह में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं, जिसमें लक्जरी आवास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

सिकटा बॉर्डर पर 62.22 किलो चरस के साथ दो तस्कर गिरफ्तार, कीमत 6 करोड़ से ज्यादा

बेतिया (एजेंसी)। भारत-नेपाल सीमा पर तैनात सुरक्षा बलों ने मंगलवार देर रात बड़ी सफलता हासिल की। दरअसल सिकटा बॉर्डर के पास सोनराटोला गांव (पिलर नंबर 410/01) से एसएसबी और बलथर थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने दो तस्करों को 62.22 किलोग्राम चरस के साथ गिरफ्तार किया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में जब्त चरस की कीमत करीब 6 करोड़, 26 लाख रुपये आंकी गई है। गिरफ्तार तस्करों की पहचान बेतिया के लालगढ़ निवासी सोनू कुमार और मनोज चौधरी के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान उनके पास से 16,500 रुपये नकद और एक मोटरसाइकिल भी जब्त की गई। दोनों बाइक से चरस की खेप लेकर आ रहे थे और नेपाल बॉर्डर के रास्ते इसे अंतरराष्ट्रीय तस्करों तक पहुंचाने की योजना थी।

फिजी के पीएम ने प्रधानमंत्री मोदी से कहा- कुछ लोग आपसे खुश नहीं हैं?

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में फिजी के प्रधानमंत्री सितवेनी लिगामामादा राबुका भारत की यात्रा पर भारत आए और उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान कई मुद्दों पर चर्चा हुई। इसमें बात अमेरिकी टैरिफ की भी निकली। तभी पीएम राबुका ने पीएम मोदी से कहा कि कुछ लोग आपसे खुश नहीं हैं, शायद यही कारण है कि उन्होंने 50 प्रतिशत का टैरिफ भारत पर लगा दिया है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि इससे आपको कोई फर्क नहीं पड़ेगा क्योंकि दुनिया में आपका व्यक्तित्व इतना बड़ा है कि आप असहज स्थितियों को भी आसानी से सहज बना सकते हैं। आईसीडब्ल्यूए व्याख्यान के बाद, एक श्रोता ने उनसे विभिन्न देशों के नेताओं के साथ उनकी द्विपक्षीय बातचीत और शांति का महासागर के दृष्टिकोण के बारे में उनसे क्या कहा गया, इसके बारे में पूछा। राबुका ने कहा, मेरी अमेरिका के राष्ट्रपति से कोई व्यक्तिगत बातचीत नहीं हुई है। मैंने रूस के राष्ट्रपति के साथ द्विपक्षीय बैठक का अनुरोध किया है। मेरी ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के साथ द्विपक्षीय बैठक हुई है...। उन्होंने कहा, कल जब हमने बातचीत की, तो प्रधानमंत्री मोदी ने हमारी भावनाओं और अवधारणा को दोहराया। राबुका ने बिना विस्तार से बताए कहा, अब, जो कुछ हो रहा है, उसका असर अमेरिका के साथ आपके रिश्तों पर पड़ रहा है। शुल्कों की हालिया घोषणाएं...मैंने उनसे (प्रधानमंत्री मोदी से) कहा कि कुछ लोग आपसे बहुत खुश नहीं हैं, लेकिन आपका व्यक्तित्व इतना बड़ा है कि आप उन असहज स्थितियों को झेल सकते हैं। राबुका ने यहां सप्रू हाउस में भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए) द्वारा आयोजित शांति का महासागर विषय पर व्याख्यान देने के बाद श्रोताओं के साथ बातचीत में मोदी के साथ अपनी वार्ता का ब्यौरा साझा किया। फिजी के प्रधानमंत्री रविवार को तीन दिवसीय यात्रा पर दिल्ली पहुंचे, जिसका उद्देश्य समुद्री सुरक्षा, व्यापार, स्वास्थ्य, डिजिटल प्रौद्योगिकी और क्षमता निर्माण जैसे विभिन्न क्षेत्रों में भारत के साथ फिजी के संबंधों को मजबूत करना है।भारत और फिजी ने रक्षा संबंधों को बढ़ावा देने के लिए एक कार्ययोजना तैयार की और शांतिपूर्ण एवं समावेशी हिंद-प्रशांत के लिए संयुक्त रूप से काम करने पर सहमति व्यक्त की। मोदी और राबुका ने समग्र द्विपक्षीय सहयोग का विस्तार करने के लिए वार्ता की।

प्रयागराज में गंगा और यमुना बीते दो माह में चौथी बार उफान पर, 10 हजार घरों में बाढ़ का पानी भरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आप नेता और पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज के पहुंची प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने 20 घंटे तक तलाशी अभियान चलाया। देर रात ईडी की टीम जब बाहर निकली तो सौरभ भारद्वाज ने अपने समर्थकों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि यदि चोरों के यहां भी छापेमारी की जाएगी और ईमानदारों के यहां भी, तो कोई क्यों ईमानदार रहेगा। दिल्ली में पार्टी के संयोजक भारद्वाज ने कहा, मेरा मन बहुत दुखी था। बेटी का चेहरा देख रहा था सोच रहा था कि बेटी स्कूल जाएगी तो बच्चे मजाक उड़ाएंगे। लेकिन जब से आप लोगों के नारे सुने मुझे लगा कि मेरी जिंदगी सफल हो गई। अब कोई दिक्कत नहीं।

सौरभ भारद्वाज ने कहा कि उन्होंने ईडी के अधिकारियों से तीन बार कहा कि उन्हें गिरफ्तार करना है तो कर लिया जाए। उन्होंने कहा, मैं तो लिखवा के आया हूं दो साल अंदर रहूंगा। मैंने तीन बार उन्हें ऑफर दिया। तुम्हारे कहने से काम नहीं करूंगा, अरविंद केजरीवाल के चेले हैं। उन्होंने ईडी के खिलाफ कुछ बड़े खुलासे करने की बात कही। सौरभ भारद्वाज ने कार्यकर्ताओं से बात करते हुए कहा कि ईडी सब पर चोर का स्टैंप लगा रही है। उन्होंने कहा, जब सुबह छापा पड़ा तो मैंने ईडी वालों से कहा कि यार एक बात बताओ यदि तुम चोरों के यहां भी छापा मारोगे और ईमादारों के यहां भी छापा मारोगे तो कोई ईमानदार क्यों रहेगा। फिर तो हर आदमी कहेगा कि हम भी लूट लें। जब तुमको सबको चोर का ही स्टैंप लगाना है। तुम तो देश से ईमानदारी खत्म कर रहे हो। तुम तो किसी आदमी को किसी नेता को ईमानदार रहने का कोई क्रेडिट नहीं दे रहे। ईडी ने आम आदमी पार्टी की पिछली सरकार के दौरान अस्पतालों के निर्माण में कथित घोटाले को लेकर पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज और कुछ अन्य निजी कंपनियों के परिसरों में छापेमारी की। भारद्वाज के खिलाफ ईडी की जांच जून में दिल्ली की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) द्वारा दर्ज की गई एक प्राथमिकी से सामने आई है।

नालंदा में मंत्री और विधायक को गुस्साए ग्रामीणों ने दौड़ाया, बॉडीगार्ड सहित कई घायल

पटना (एजेंसी)। नालंदा जिले के हिलसा थाना क्षेत्र के मलावां गांव में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब मातमपुर्सी के लिए पहुंचे स्थानीय विधायक और बिहार सरकार के मंत्री श्रवण कुमार पर गुस्साए ग्रामीणों ने हमला कर दिया। घटना में मंत्री के बॉडीगार्ड सहित कई लोग घायल हो गए। किसी का सिर फट गया तो कई लोगों को गंभीर चोटें आईं। हालात बिगड़ने पर पुलिस बल की भारी तैनाती करनी पड़ी और गांव पुलिस छावनी में तब्दील हो गया।

प्राप्त जानकारी अनुसार, तीन दिन पहले हुए सड़क हादसे में गांव के नौ लोगों की मौत हो गई थी। इस घटना के पीड़ित परिवारजनों से मिलने के लिए मंगलवार को मंत्री और विधायक गांव पहुंचे थे। नेताओं ने पीड़ित परिवारों से मुलाकात की और लौटने लगे। इसी दौरान ग्रामीणों ने उनसे कुछ देर और रुकने की अपील की, लेकिन मंत्री ने आगे का कार्यक्रम होने का हवाला दिया। इस पर ग्रामीण आक्रोशित हो गए। गुस्से से बेकाबू भीड़ ने पहले एक स्थानीय पत्रकार और विधायक को घेर लिया। देखते ही देखते लाठी-डंडों से हमला कर दिया गया। स्थिति ऐसी बन गई कि मंत्री और विधायक को अपनी जान बचाने के लिए करीब एक किलोमीटर तक भागना पड़ा। इसी दौरान उनके सुरक्षाकर्मी और समर्थक भीड़ का शिकार हो गए और कई लोग घायल हो गए।

ग्रामीणों का आरोप है कि हादसे के दिन विधायक के कहने पर उन्होंने सड़क जाम हटाया था, लेकिन अब तक उन्हें उचित मुआवजा नहीं मिला। इसी नाराजगी ने उग्र रूप ले लिया और नेताओं पर हमला कर दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस-प्रशासन हरकत में आया। बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंचा और आक्रोशित ग्रामीणों को समझाने-बुझाने की कोशिश की। फिलहाल क्षेत्र में तनाव बरकरार है और पुलिस सतर्कता बनाए हुए है।

ट्रंप के टैरिफ वार से निपटने के लिए बाबा रामदेव ने बताया तरीका... स्वदेशी का पूरा इस्तेमाल होना चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका ने भारत पर 50 फीसदी टैरिफ बुधवार से लागू कर दिया है, जिसका मतलब है कि भारत का निर्यात बड़े स्तर पर प्रभावित हो सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, एक्सपोर्ट में करीब 70 फीसदी की गिरावट आ सकती है। साथ ही 60.2 अरब डॉलर का निर्यात प्रभावित भी हो सकता है। इस बीच,पतंजलि आयुर्वेदा के को-फाउंडर स्वामी रामदेव ने ट्रंप टैरिफ को फेल करने का मंत्र बताया है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिस देश में जाते हैं, वहां व्यापार को प्राथमिकता देते हैं। जबकि पहले हम व्यापार को प्राथमिकता कम देते थे। बाबा ने डोनाल्ड ट्रंप को खरी-खरी सुनाकर कहा, अबकी बार-ट्रंप सरकार जैसे नारे दिए। सभी भारतीयों ने साथ दिया, लेकिन बहुत गलत व्यक्ति निकला। सभी भारतीय में बहुत सामर्थ्य है। अगर आज हम सभी संकल्प लें कि स्वदेशी का इस्तेमाल करने वाले हैं, तब विदेशी कारोबारी भारत के सामने नतमस्तक हो जाएंगे।

टैरिफ पर बाबा रामदेव ने कहा कि भारत को खुलकर आना होगा और टैरिफ की क्षतिपूर्ति, अमेरिका से व्यापार कम करके और दूसरे देशों से व्यापार को बढ़ाना चाहिए, यह भारत के लिए आपदा में मौके की तरह है। भारत ऑटोमोबाइल से लेकर मैन्युफैक्चरिंग और टेक्नोलॉजी के मामले में ग्लोबल लीडर क्यों नहीं बन सकता है? हम सभी लोगों को देशी प्रोडक्ट्स को प्रमोर्ट करना होगा और टैरिफ को मौके के तौर पर देखना चाहिए।

पहले चीन में भी बहुत बूरी स्थिति आई थी। वहां कंगाली आ चुकी थी, लेकिन अपने आर्थिक नीतियों में बदलाव के कारण वह बहुत आगे निकल चुका है। हमारे देश में भी बड़ी क्षमताएं हैं। हम भी चीन की तरह आगे बढ़ सकते हैं।

योग गुरु रामदेव ने कहा कि ट्रंप के टैरिफ से डरने की बात नहीं है। समय के साथ सबकुछ ठीक होगा। अभी अपने सभी प्रोडक्ट्स को प्राथमिकता देने की जरूरत है। स्वदेशी का पूरा इस्तेमाल होना चाहिए।

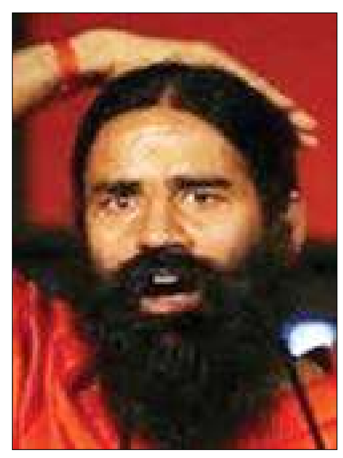

हरियाणा विधानसभा में सीएम के शैतान कहने पर हंगामा...कांग्रेस विधायकों ने पूछा किसे कहा

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा के मानसून सत्र के अंतिम दिन की कार्यवाही जारी है। कांग्रेस विधायक विनेश फोगाट ने कहा, भिवानी की मनीषा के मौत के मामले में 50 से अधिक युवाओं को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कोई अपराध नहीं किया है, इसलिए नायाब सैनी सरकार को उन्हें रिहा करना चाहिए, ताकि उनका भविष्य खराब न हो। विधानसभा में प्रश्नकाल में कांग्रेस विधायक आदित्य सुरजेवाला ने प्रदेश में बढ़ते अपराध का मुद्दा उठाया। इस पर सीएम नायब सैनी ने बताया कि कांग्रेस के स्थगन प्रस्ताव पर चर्चा हो चुकी है। इस पर कांग्रेस विधायकों ने खड़े होकर हंगामा शुरू कर दिया झज्जर से कांग्रेस विधायक गीता भुक्कल ने कहा कि मुख्यमंत्री ने सदन में शैतान किसे कहा? इस पर सीएम सैनी ने कहा कि इस शब्द को लेकर हाउस के अंदर ये हल्ला कर रहे हैं। कर्नल शैतान सिंह ने बॉर्डर पर खड़े होकर इस देश की रक्षा की। कांग्रेस विधायक रघुवीर कादियान ने कहा कि सीएम ये शब्द वापस लें या रिकॉर्ड से हटाया जाए। इस पर स्पीकर हरविंद्र कल्याण ने कहा कि चर्चा खत्म करते हैं। प्रश्नकाल में मुलाना से कांग्रेस विधायक पूजा ने अंबाला में जलभराव का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि नदियों की सफाई न होने के कारण हर साल समस्या आती है। बारिश का पानी घरों और खेतों में जा रहा है। इसका जवाब देकर सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी ने बताया कि इसतरह के हालात हरियाणा में पहली बार हुए हैं। सैनी सरकार इस पर काम कर रही है। मारकंडा नदी में पानी इस बार जल्दी आ गया, इस कारण काम रोकना पड़ा। सरकार ने जो काम शुरू किए हैं, वह पहली बार प्रदेश में किए जा रहे हैं।

पहले संघ की प्रार्थना और अब मंदिर पर टिप्पणी कर फंसे उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार पिछले कई दिनों से विवादों में हैं। उन्होंने राज्य विधानसभा में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की प्रार्थना बोली और अपनों के निशाने पर आ गए। इस विवाद से छुटकारा मिलता इससे पहले उन्होंने मंदिर की संपत्ति को लेकर विवादित टिप्पणी कर दी। उन्होंने कहा कि मंदिर की संपत्ति हिंदुओं का हक नहीं है। इस पर भाजपा हमलावर हो गई और डीके शिवकुमार पर आरोपों की झड़ी लगा दी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि मैसुरू स्थित चामुंडी हिल, जहां प्रसिद्ध चामुंडेश्वरी मंदिर स्थित है, केवल हिंदुओं की संपत्ति नहीं है। इस बयान पर विपक्षी दल भाजपा ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है।

शिवकुमार ने यह बयान अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार से सम्मानित बानू मुश्ताक को इस वर्ष 22 सितंबर को चामुंडी हिल की चोटी पर विश्व प्रसिद्ध मैसुरू दशहरा-2025 समारोह का उद्घाटन करने के लिए दिए गए सरकारी निमंत्रण के विरोध पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए दिया। शिवकुमार के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने कहा, चामुंडी पहाड़ी पक्के तौर पर हिंदुओं की संपत्ति है, मुसलमानों की नहीं। मैसुरू के सांसद यदुवीर कृष्णदत्त चामराजा वाडियार ने भी शिवकुमार के बयान की निंदा की। हालांकि, मुश्ताक ने कहा है कि उनके बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया है और उनके पुराने भाषण के कुछ चुनिंदा हिस्सों को सोशल मीडिया पर प्रसारित किया गया है। भाजपा नेताओं और अन्य लोगों ने राज्य सरकार द्वारा मुश्ताक को दशहरा उत्सव के उद्घाटन के लिए आमंत्रित करने के फैसले पर आपत्ति जताई है। इससे पहले एक वीडियो सामने आया था जिसमें मुश्ताक ने कथित तौर पर कन्नड़ भाषा को 'देवी भुवनेश्वरी' के रूप में पूजने पर आपत्ति जताई थी। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र सहित पार्टी के कई नेताओं ने सोमवार को मुश्ताक से दशहरा का उद्घाटन करने की सहमति देने से पहले देवी चामुंडेश्वरी के प्रति उनकी श्रद्धा स्पष्ट करने को कहा था।

जब सभी के यहां छापे पड़ेंगे तो कोई ईमानदार क्यों रहेगा: सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। आप नेता और पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज के पहुंची प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने 20 घंटे तक तलाशी अभियान चलाया। देर रात ईडी की टीम जब बाहर निकली तो सौरभ भारद्वाज ने अपने समर्थकों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि यदि चोरों के यहां भी छापेमारी की जाएगी और ईमानदारों के यहां भी, तो कोई क्यों ईमानदार रहेगा। दिल्ली में पार्टी के संयोजक भारद्वाज ने कहा, मेरा मन बहुत दुखी था। बेटी का चेहरा देख रहा था सोच रहा था कि बेटी स्कूल जाएगी तो बच्चे मजाक उड़ाएंगे। लेकिन जब से आप लोगों के नारे सुने मुझे लगा कि मेरी जिंदगी सफल हो गई। अब कोई दिक्कत नहीं।

सौरभ भारद्वाज ने कहा कि उन्होंने ईडी के अधिकारियों से तीन बार कहा कि उन्हें गिरफ्तार करना है तो कर लिया जाए। उन्होंने कहा, मैं तो लिखवा के आया हूं दो साल अंदर रहूंगा। मैंने तीन बार उन्हें ऑफर दिया। तुम्हारे कहने से काम नहीं करूंगा, अरविंद केजरीवाल के चेले हैं। उन्होंने ईडी के खिलाफ कुछ बड़े खुलासे करने की बात कही। सौरभ भारद्वाज ने कार्यकर्ताओं से बात करते हुए कहा कि ईडी सब पर चोर का स्टैंप लगा रही है। उन्होंने कहा, जब सुबह छापा पड़ा तो मैंने ईडी वालों से कहा कि यार एक बात बताओ यदि तुम चोरों के यहां भी छापा मारोगे और ईमादारों के यहां भी छापा मारोगे तो कोई ईमानदार क्यों रहेगा। फिर तो हर आदमी कहेगा कि हम भी लूट लें। जब तुमको सबको चोर का ही स्टैंप लगाना है। तुम तो देश से ईमानदारी खत्म कर रहे हो। तुम तो किसी आदमी को किसी नेता को ईमानदार रहने का कोई क्रेडिट नहीं दे रहे। ईडी ने आम आदमी पार्टी की पिछली सरकार के दौरान अस्पतालों के निर्माण में कथित घोटाले को लेकर पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज और कुछ अन्य निजी कंपनियों के परिसरों में छापेमारी की। भारद्वाज के खिलाफ ईडी की जांच जून में दिल्ली की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) द्वारा दर्ज की गई एक प्राथमिकी से सामने आई है।

ऑनलाइन गेमिंग बैन से रोजगार पर संकट के बादल छाए, लाखों कर्मचारी बेरोजगार

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार के हालिया फैसले में रियल मनी ऑनलाइन गेमिंग पर लगाए गए प्रतिबंध का सबसे बड़ा असर उन लाखों कर्मचारियों पर पड़ा है जो इस सेक्टर से जुड़े थे। अचानक लागू हुए इस बैन के कारण ड्रीम-11, एमपीएल, जूपी, पेटीएम फर्स्ट गेम्स, गेम्स24इन-टू7, जंगली गेम्स और अड्डा-52 जैसी प्रमुख कंपनियों को अपने ऑपरेशंस बंद करने पड़े। इस कारण हजारों प्रोफेशनल्स की नौकरी चली गई और पूरे सेक्टर का भविष्य अधर में लटक गया।

दिल्ली-एनसीआर स्थित दफ्तरों में काम करने वाले कर्मचारियों का कहना है कि उन्हें अचानक यह ऐलान सुनना पड़ा कि अब कंपनी के लिए कोई काम नहीं बचा है और नए अवसर तलाशने होंगे। नौकरी गंवाने वाले कर्मचारियों में गेम डेवलपमेंट, प्लेटफॉर्म मैनेजमेंट, कस्टमर सपोर्ट, मार्केटिंग और डेटा एनालिटिक्स जैसे क्षेत्रों से जुड़े लोग शामिल हैं। इनमें से कई लोगों के पास घर और कार के लोन हैं, बच्चों की फीस और बुजुर्ग माता-पिता की जिम्मेदारी है। ऐसे में नौकरी का जाना उनके लिए दोहरी चुनौती लेकर आया है।

इंडस्ट्री एसोसिएशन का अनुमान है कि इस प्रतिबंध से पहले भारत का रियल-मनी गेमिंग सेक्टर 30,000 करोड़ रुपये का था और इसमें दो लाख से अधिक लोगों को सीधा रोजगार मिला हुआ था। यदि आउटसोर्स कर्मचारियों को भी शामिल किया जाए तो यह संख्या तीन लाख तक पहुंचती है। यही नहीं, इस सेक्टर से विज्ञापन, कंटेंट क्रिएशन और टैक्स रेवेन्यू के जरिए सरकार को भी हजारों करोड़ रुपये की आय हो रही थी। अब यह सब अचानक रुक गया है।

सरकार का कहना है कि यह कदम सामाजिक हित में उठाया गया है क्योंकि ऑनलाइन मनी गेम्स ने परिवारों को बर्बाद किया, युवाओं को लत लगाई और कई बार आर्थिक तंगी के चलते आत्महत्या जैसी घटनाएं हुईं। केंद्रीय आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि देशभर में करीब 45 करोड़ लोग इससे नकारात्मक रूप से प्रभावित हुए और उन्हें 20,000 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ।

हालांकि, उद्योग जगत का कहना है कि बिना किसी ठोस विकल्प या ट्रांजिशन प्लान के लगाए गए इस प्रतिबंध ने वर्षों की मेहनत पर पानी फेर दिया है। कर्मचारियों को डर है कि बेरोजगारी का यह संकट लंबे समय तक उनके करियर पर असर डालेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि सरकार इस सेक्टर के लिए स्पष्ट नीतियां और नियमन बनाती तो न केवल उपभोक्ताओं की सुरक्षा होती बल्कि लाखों रोजगार भी सुरक्षित रहते।

दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
असली आज़ादी
www.asliazadi.com
गुरुवार 28 अगस्त 2025 दमण।

संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण एवं दीव के लोकप्रिय, संवेदनशील, सेवाभावी, कर्मठ एवं पारदर्शी, माननीय प्रशासक

श्री प्रफुलभाई पटेल जी को

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं, दीर्घायु एवं अच्छे स्वास्थ्य की कामना

दुष्यंत पटेल
प्रभारी, संघ प्रदेश थ्रीडी भाजपा

महेश आगरिया
अध्यक्ष, संघ प्रदेश थ्रीडी भाजपा

जिग्नेश पटेल
महामंत्री, संघ प्रदेश थ्रीडी भाजपा

लालूभाई पटेल
पूर्व सांसद, दमण-दीव

भरत पटेल
अध्यक्ष, दमण जिला भाजपा

पवन अग्रवाल
प्रेसिडेंट, दमण इंडस्ट्रीज एसो.

फाल्गुनी पटेल
उपाध्यक्ष, संघ प्रदेश थ्रीडी भाजपा

निशा भावर
पूर्व अध्यक्षा, दानह जिला पंचायत

रमेश कुंदनानी
चीफ एडवाइजर, डीआईए

विशाल टंडेल
भाजपा अग्रणी, संघ प्रदेश थ्रीडी

जिग्नेश टंडेल
पूर्व प्रेसिडेंट, डीएमसी
चेयरमैन, सार्वजनिक स्कूल

विवेक भाठेला
वाइस चेयरमैन, सार्वजनिक स्कूल

जागृति पटेल
अध्यक्ष, दमण जिला पंचायत

अस्पी दमणिया
प्रेसिडेंट, दमण नगरपालिका

राकेशसिंह चौहाण
पूर्व प्रेसिडेंट, एसएमसी

हिताक्षी जिग्नेश पटेल
सरपंच, घेलवाड ग्राम पंचायत

मनोज ईश्वरलाल नायक
पूर्व प्रेसिडेंट, डीएमसी

मुकेश पटेल
काउंसिलर, डीएमसी

लखम टंडेल
चेयरमैन, डीडीए

रामजी पारसमणी
वरिष्ठ भाजपा नेता, दीव

मोहन लकमने
प्रमुख, दीव जिला भाजपा

धवल देसाई
एनसीपी प्रदेश अध्यक्ष, संघ प्रदेश थ्रीडी

चैताली कामली
सरपंच, सोमनाथ ग्राम पंचायत

मुकेश गोसावी
सरपंच, दमणवाडा ग्राम पंचायत

भरत पटेल
सरपंच, कचीगाम ग्राम पंचायत

मैत्री पटेल
पूर्व वाइस प्रेसिडेंट, दमण जिला पंचायत

हेमाक्षी पटेल
सरपंच, दाभेल ग्राम पंचायत

शंकर पटेल
सरपंच, कडैया ग्राम पंचायत

गौरांग पटेल
भाजपा के युवा अग्रणी

उर्वशी पटेल
सरपंच, आटियावाड ग्राम पंचायत

ईश्वर पटेल
पूर्व सदस्य, दमण-दीव जिला पंचायत

हेमलता पटेल
पूर्व अध्यक्षा, दमण जिला पंचायत

सविता पटेल
सरपंच, दुनेठा ग्राम पंचायत

अमृता बामणिया
उपाध्यक्ष, संघ प्रदेश थ्रीडी भाजपा

शांतू पटेल
सरपंच, भीमपोर ग्राम पंचायत

सिंपल पटेल
घेलवाड जिला पंचायत सदस्य

तमन्ना खोजा
काउंसिलर, डीएमसी

आशीष टंडेल
पूर्व वाइस प्रेसिडेंट,डीएमसी

चन्द्रगिरी टंडेल
काउंसिलर, डीएमसी

पीयूष पटेल
प्रमुख, दमण शहर भाजपा

जाश्मीन महेश पटेल
पंचायत सदस्य, घेलवाड ग्राम पंचायत

दिपीका विपुल पटेल
सदस्य. सोमनाथ ग्राम पंचायत

लक्ष्मी मोहन
उपाध्यक्षा, दीव जिला पंचायत

जतिन पटेल
सचिव, दमण जिला भाजपा

महेन्द्र कामली
भाजपा नेता, दमण

सतिष पटेल
उपसरपंच, मरवड ग्राम पंचायत

खुशमन ढीमर
सामाजिक अग्रणी, दमण

प्रमोद राणा
डीएमसी काउंसिलर

अलहज खुर्शीद मांजरा
संयोजक, अल खिदमत फाउंडेशन, दमण

गणेश भंडारी
महामंत्री, दमण जिला भाजपा

विनय सिंह
Olive Health Care
जी. एम. ऑपरेशन (ओलिव हेल्थकेयर)

शांतू पुजारी
अध्यक्ष, सिलवासा शहर जिला भाजपा

मिलन पटेल
उपसरपंच, दमणवाडा ग्राम पंचायत

दीपक प्रधान
अध्यक्ष, सिलवासा ग्रामीण जिला भाजपा

भाविक हलपति
आदिवासी नेता, दमण

अम्रत पटेल
पूर्व प्रमुख, घेलवाड भाजपा मंडल

प्रीतिबेन हलपति
सरपंच, मरवड ग्राम पंचायत

किरीट मिटना
सरपंच, वरकुंड ग्राम पंचायत

अनीता पटेल
डीएमसी काउंसिलर

जयंती पटेल
पूर्व काउंसिलर डीएमसी

लखीबेन पटेल
सरपंच, मगरवाडा ग्राम पंचायत

संघ प्रमुख के व्याख्यान से साफ होगी वैचारिक तस्वीर

उमेश चतुर्वेदी

> संघ प्रमुख इसके पहले साल 2018 में भी इसी तरह का व्याख्यान दे चुके हैं। जिसमें संघ प्रमुख मोहन राव भागवत ने संगठन के विचारों से उन लोगों का परिचय कराने की कोशिश की थी, जो संघ से परोक्ष या प्रत्यक्ष रूप से नहीं जुड़े हैं।

संवाद और शास्त्रार्थ की परंपरा वाले देश में हाल के दिनों में सार्वजनिक चचाओं की गुंजाइश लगातार कम हुई है। इसे कभी असहिष्णुता तो तभी दूसरे विचार की उपेक्षा के तौर पर देखा गया है। देश के सर्वोच्च लोकतांत्रिक पद प्रधानमंत्री तक से शिकायत है कि संवाद नहीं रहा। ऐसे माहौल में अगर देश का पुराना संगठन और उसका प्रमुख खुद संवाद के लिए आगे आता है तो उसका भी स्वागत होना चाहिए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन राव भागवत की दिल्ली में होने जा रहे संवाद कार्यक्रम के जरिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने खुद पर उठने वाले सामाजिक और राजनीतिक सवालों के साथ ही आक्षेपित आरोपों पर जवाब देने की तैयारी है। इस कार्यक्रम के लिए राजनीतिक दलों की हस्तियों को भी आमंत्रित किया गया है, देखना है कि कितने दलों के लोग इसमें शामिल होते हैं।

संघ प्रमुख इसके पहले साल 2018 में भी इसी तरह का व्याख्यान दे चुके हैं। जिसमें संघ प्रमुख मोहन राव भागवत ने संगठन के विचारों से उन लोगों का परिचय कराने की कोशिश की थी, जो संघ से परोक्ष या प्रत्यक्ष रूप से नहीं जुड़े हैं। संघ से जो जुड़े हैं, जो उसके कार्यकर्ता हैं, जो स्वयंसेवक हैं, वे जानते हैं कि संघ है क्या, संघ की सोच क्या है और संघ किन विचारों के साथ आगे बढ़ रहा है। बहरहाल साल 2018 का वह आयोजन सिर्फ दिल्ली में हुआ था। संघ ने इस बीच अपनी स्थापना की शतकीय यात्रा पूरी करने की ओर है। विजयादशमी के दिन साल 1925 में स्थापित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इस विजयादशमी को अपनी सौ साल की गौरवपूर्ण यात्रा पूरी कर लेगा। जाहिर है कि यह संघ शताब्दी वर्ष है, इस लिहाज से इस बार संघ की कोशिश अपने विचार को जन-जन और हर परिवार तक पहुंचाने की है। यही वजह है कि इस बार मोहन राव भागवत का यह संवाद कार्यक्रम इस बार बेंगलुरु, कोलकाता और मुंबई में संघ में भी आयोजित किया जाना है। संघ के आधिकारिक सूत्रों का कहना है कि हो सकता है कि इसके अलावे भी अन्य जगहों पर भी व्याख्यान आयोजित किए जाएं।

किसी संगठन का सौ साल पूरा कर लेना मामूली बात नहीं है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपनी 100 साल की यात्रा में समाज के हर वर्ग तक पहुंचने की कोशिश की है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने मोहन राव भागवत के इस शताब्दी व्याख्यान के लिए गंभीर तैयारियां की हैं। संघ ने आगंतुकों के लिए 17 श्रेणियां और 138 उप-श्रेणियां बनाई हैं।

संघ सर्वदा यह जताने की कोशिश करता रहा है कि उसकी सोच, उसका विचार अन्य लोगों से अलग नहीं है। संघ को उसके विरोधियों ने भले ही कभी अछूत तो कभी सांप्रदायिक कहने की कोशिश की हो, लेकिन संघ ने उनके प्रति भी कभी वैमनस्यबोध नहीं रखा और ना ही उनके साथ कोई छुआछूत की भावना रखी। संघ के कई वरिष्ठ कार्यकताओं के अनुभवों से गुजरते हुए पता चला है कि उन्हें विरोधी राजनीतिक विचारधारा वाले नेताओं और बड़ी हस्तियों तक से मिलने, साथ चाय-पानी करने, भोजन करने, सहयोग करने-कराने तक का अवसर मिला है। संघ जरूर एक बात पर जोर देता है कि उसकी सोच भारत की स्थापित और मूल्यवान परंपराओं से प्रभावित है। संघ भारतीय सांस्कृतिक परंपरा में गहराई से विश्वास करता है, इसीलिए वह हर भारतीय मे हिंदुत्व के मूल को देखने-समझने की कोशिश करता रहा है।

संघ पर गांधी जी को लेकर कई मिथ्या आरोप लगते रहे हैं। लेकिन सच यह भी है कि गांधी जी संघ के वर्ग को देखने गए थे। 27 सितंबर 1947 के हरिजन के अंक में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक, साल 1936 में वर्धा के पास लगे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शिविर में गांधी जी गए थे। उसके अगले दिन गांधी जी के वर्धा स्थित तत्कालीन निवास पर डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने भेंट की थी। माना जा रहा है कि संघ प्रमुख के कल से होने वाले व्याख्यान में एक बार फिर इसकी चर्चा हो सकती है। चूंकि संघ का दृष्टिकोण राष्ट्र की प्रगति के लिए सभी के साथ मिलकर काम करना है। लिहाजा संघ के इस व्याख्यान का एक उद्देश्य यह भी है कि वह अपनी सौ साल की विकास यात्रा में समूचे देश के साथ जुड़े और समूचा देश एक साथ आगे बढ़ता रहे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने पंच परिवर्तन के सिद्धांत स्वीकार रखा है और इन्हीं बिंदुओं पर समाज के बीच काम कर रहा है। संघ के पंच परिवर्तन का पहला बिंदु है, ससामाजिक समरसता। इसके तहत संघ और उसके असंख्य कार्यकर्ता लगातार समाज के विभिन्न वर्गों के बीच सौहार्द और प्रेम बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए काम कर रहे हैं। संघ के पंच परिवर्तन का दूसरा महत्वपूर्ण बिंदु है कुटुम्ब प्रबोधन, जिसके तहत संघ की कोशिश राष्ट्र के विकास में परिवार को महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली इकाई के रूप में संवर्धित करने के प्रयासों में लगातार जुटा है। पंच परिवर्तन के तीसरे बिंदु पर्यावरण संरक्षण के तरह संघ पृथ्वी को माता तो मानता ही, इसी आधार पर पर्यावरण संरक्षण के लिए लगातार सक्रिय रहता है और अपने स्वयंसेवकों के साथ ही समाज से ही आशा करता है कि वह भी ऐसा ही करे। पंच परिवर्तन के चौथे बिंदु स्वदेशी और आत्मनिर्भरता के तहत संघ अपने विभिन्न सहयोगी संगठनों और प्रकल्पों के माध्यम से लगातार देश की स्वदेशी अर्थव्यवस्था और आत्मनिर्भरता की दिशा में काम कर रहा है। पंच परिवर्तन के पांचवें बिंदु नागरिक कर्तव्य के तहत संघ की कोशिश देश के हर नागरिक की वैचारिकी को इस तरह स्थापित करना है कि वह अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों का निर्वहन बखूबी कर सके और इस तरह राष्ट्रहित में अपना अप्रतिम योगदान दे सके। ऐसा कहा जा रहा है कि मोहन भागवत के इस व्याख्यान में इस बार इन पंच परिवर्तन के बिंदुओं पर जोर रहेगा और इसके तहत लोगों के बीच संघ अपनी बात, अपनी सोच और अपनी वैचारिकी को ना सिर्फ स्थापित करने की कोशिश करेगा, बल्कि इसके जरिए राष्ट्रहित में अपना अन्यतम योगदान दे सकेगा। संघ को लेकर एक वैचारिकी को स्थापित किया गया है कि वह अल्पसंख्यक विरोधी है। लेकिन यह सोच भी एकांगी है। संघ हर उस विचार और सोच का विरोधी है, जो भारतीयता या राष्ट्र का विरोधी है। संघ ना तो अल्पसंख्यक विरोधी है और ना ही समाज में ऊंचनीच का भाव बढ़ाने की कोशिश करता है। साल 2018 के व्याख्यान में मोहन राव भागवत ने इसे बखूबी रेखांकित करके संघ के दामन पर लगे मिथ्या आरोपों की दाग को साफ करने की कोशिश की थी। माना जा रहा है कि इस बार के व्याख्यान में संघ प्रमुख इस बारे में अपनी राय और गंभीरता से रखते हुए संघ के दृष्टिकोण को प्रस्तुत करेंगे।

साल 2018 में सरसंघचालक भागवत ने 'भविष्य का भारत' विषय पर व्याख्यान दिया था। तब उन्होंने समलैंगिकता, गौरक्षकों को लेकर उठ रही आवाजों, आरक्षण, अंतजार्तीय विवाह और जनसंख्या नीति जैसे कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर आरएसएस के रुख को स्पष्ट किया। इन बिंदुओं पर व्याख्यान संघ की स्थिति को स्पष्ट करने, आलोचनाओं का प्रतिकार करने और इस बात पर जोर देने के लिए एक अभियान का हिस्सा थे कि हिंदुत्व के बारे में उनका दृष्टिकोण क्या है। उस व्याख्यान में संघ प्रमुख ने संघ के दूसरे प्रमुख गुरू गोलवलकर की चर्चित पुस्तक ह्यब्रंच ऑफ थॉटह्न पर उठने वाले सवालों का जवाब भी दिया था। तब उन्होंने कहा था कि संघ ऐसा संगठन नहीं है, जो एक ही विचार पर ठहरा रहे। दूसरे शब्दों में कहें तो संघ गतिशील संगठन है। हां, उसका मूल भारत, भारतीयता, भारतीय संस्कृति और हिंदुत्व है। लेकिन इसका मतलब नहीं है कि वह ठस्स विचारों पर अपनी सोच को अटकाए रखे। समय और स्थिति के लिहाज से उसकी वैचारिकी में भी गतिशीलता रहती है। माना जा रहा है कि संघ प्रमुख इस बार भी ऐसी कोई गतिशील सोच और वैचारिकी को प्रस्तुत कर सकते हैं।

संपादकीय

जनहित का मामला नहीं

दिल्ली उच्च न्यायालय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ड़िग्री दिखाने की मांग करने वालों के मंसूबों पर ठंड़ा पानी ड़ाल दिया है। अदालत ने सोमवार को केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) के उस आदेश को ही रद्द कर दिया जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की स्नातक ड़िग्री से संबंधित जानकारी का खुलासा करने का निर्देश दिया गया था। इसे निहायत व्यक्तिगत जानकारी मानते हुए अदालत ने साफ कर दिया कि यह कोई जनहित का मामला नहीं है, जो ड़िग्री को सार्वजनिक किया जाए। सीआईसी के आदेश को चुनौती देने वाली दिल्ली विश्वविद्यालय (ड़ीयू) की याचिका पर न्यायमूर्ति सचिन दत्ता ने यह फैसला सुनाया। विद्वान न्यायाधीश ने फैसले में स्पष्ट किया कि 'कुछ ऐसा जो जनता की जिज्ञ-ासा का विषय हो' और 'कुछ ऐसा जो जनता के हित में हो' बिल्कुल अलग अलग बातें हैं। सूचना का अधिकार के तहत नीरज नामक एक व्यक्ति के आवेदन के बाद, सीआईसी ने 1978 में बीए (कला स्नातक) की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले सभी छात्रों के अभिलेखों के निरीक्षण की अनुमति दे दी थी। प्रधानमंत्री ने भी यह परीक्षा वर्ष 1978 में ही उत्तीर्ण की थी। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा इस मामले में सवाल उठाने पर उच्च न्यायालय ने सीआईसी के आदेश पर 23 जनवरी, 2017 को रोक लगा दी थी। सोमवार को आए फैसले ने स्पष्ट कर दिया कि आरटीआई आवेदन में मांगी गई जानकारी में जनहित निहित नहीं है। यह भी साफ कर दिया गया कि शैक्षिक योग्यता कोई ऐसी वैधानिक आवश्यकता नहीं है जो किसी सार्वजनिक पद को संभालने या सरकारी जिम्मेदारियां निभाने को जरूरी हो। सच है कि हमारे देश में सांसद, विधायक बनने के लिए शैक्षणिक योग्यता कभी बाधक नहीं रही है। वर्तमान लोक सभा में भी तमाम सांसद 12वीं, दसवीं या उससे कम पढ़े लिखे हैं। आरटीआई अधिनियम को सरकारी कामकाज में पारदर्शिता को बढ़ावा देने के लिए बनाया गया था, न कि सनसनी फैलाने के लिए। इस फैसले से पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को भी राहत मिलेगी। अदालत के फैसले ने सीईसी में बैठे अधिकारियों के ज्ञान के स्तर को भी एक तरह से कठघरे में खड़ा कर दिया है। यदि उन्होंने समझदारी से काम लिया होता तो विवाद ही खड़ा नहीं होता। कांग्रेस का कहना है कि इस मामले को इतना गोपनीय क्यों बनाया जा रहा है। क्या इसीलिए आरटीई में छह साल पहले संशोधन

चिंतन-मनन

दूर करें अध्यात्म विद्या का अभाव

अध्यात्म विद्या के विषय में अधिकांश भौतिक विद्वान शिक्षा को ही विद्या मान बैठते हैं। वे विद्या और शिक्षा के अंतर को भी समझने में असमर्थ हैं जबकि विद्या और शिक्षा में धरती और आसमान का अंतर है। इस विषय को स्पष्ट करते हुए महात्मा परमचेतनानंद ने अपने प्रवचन में कहा कि शिक्षा शब्द शिक्ष धातु से बना है जिसका अर्थ है सीखना। भौतिक शिक्षा अनुकरण के द्वारा सीखी जाती है जिसका संबंध ज्ञानेन्द्रियों, कर्मेंद्रियों व मन बुद्धि तक सीमित है। इसके अतिरिक्त विद्या शब्द विद् धातु से बना है जिसका अर्थ है जानना अर्थात वास्तविक ज्ञान।

यह ज्ञान स्वयं अंदर से प्रकट होता है, इसे ही अध्यात्म ज्ञान कहा जाता है। इसे आत्मा की गहराई में पहुंचने पर ही जाना जाता है। शिक्षा के विद्वान अहंकार से ग्रसित होते हैं, उनमें विनम्रता का अभाव होता है जबकि विद्या का प्रथम गुण विनम्रता है। विद्या वास्तव में मानव की मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करती है।

इस अध्यात्म विद्या से मानव निष्काम कर्म योगी बनता है जो सभी को समान भाव से देखता है। पहले निष्काम कर्म योगी को ही प्रजा अपना राजा चुनती थी। वे अपने पुत्र तथा अन्य प्रजा के साथ समान रूप से न्याय करते थे। आज के असमय में अध्यात्म विद्या का अभाव होने के कारण राजा और प्रजा दोनों ही अशांत हैं फिर भी इसे ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है जबकि अध्यात्म विद्या के वेत्ता तत्वदर्शी संत आज भी मौजूद हैं।

चुनावी प्रचार सोशल मीडिया पर, तो विधानसभा क्यों नहीं?

डॉ. प्रियंका सौरभ

सदन की मयार्दा या जनता का अधिकार झ गरिमा की रक्षा या जनता से दूरी?

यदि विधानसभा की कार्यवाही सोशल मीडिया पर प्रसारित करना प्रतिबंधित है तो फिर नेताओं और दलों को भी चुनाव प्रचार के लिए सोशल मीडिया का प्रयोग नहीं करना चाहिए। आज वोट माँगने के लिए रैलियों और टीवी के साथ-साथ फेसबुक, यूट्यूब, इंस्टाग्राम और ट्विटर पर बड़े पैमाने पर प्रचार किया जाता है। ऐसे में केवल सदन की कार्यवाही को रोकना अनुचित प्रतीत होता है। लोकतंत्र में नियम सबके लिए समान हों, तभी व्यवस्था पर जनता का विश्वास कायम रह सकता है। भारत में 82 करोड़ इंटरनेट उपयोगकर्ता हैं, जिनमें से 45 करोड़ से अधिक सोशल मीडिया पर सक्रिय हैं। टीवी दर्शकों की संख्या घट रही है और लोग मोबाइल पर सीधे समाचार देखना पसंद करते हैं। विधानसभा की कार्यवाही केवल टीवी चैनलों तक सीमित करने का निर्णय लोकतांत्रिक पारदर्शिता को सीमित कर सकता है। बेहतर उपाय यह होगा कि विधानसभाएँ अपने आधिकारिक डिजिटल प्लेटफॉर्म बनाएँ, जहाँ कार्यवाही का सम्पूर्ण और सत्य प्रसारण हो। इस तरह सदन की गरिमा भी बनी रहेगी और जनता को सूचना तक पहुँच का अधिकार भी मिलेगा। लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत उसकी पारदर्शिता और जनता की भागीदारी में निहित है। संसद और विधानसभाएँ जनता की आवाज का प्रतिनिधित्व करती हैं और वही स्थान हैं जहाँ नीतियाँ, कानून और जनहित से जुड़े अहम मुद्दे तय किए जाते हैं। ऐसे में सदन की कार्यवाही तक जनता की पहुँच किसी भी स्वस्थ लोकतंत्र की बुनियादी जरूरत कही जा सकती है। हाल ही में हरियाणा प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष द्वारा लिया गया यह निर्णय कि फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, ट्विटर और वेब चैनलों पर अब विधानसभा की कार्यवाही का प्रसारण नहीं किया जाएगा, कई महत्वपूर्ण सवाल खड़े करता है। यह फैसला पारदर्शिता को सीमित करने वाला है या फिर सदन की गरिमा को बचाने वाला—यही इस संपादकीय का मूल प्रश्न है।

पिछले एक दशक में सोशल मीडिया ने भारतीय लोकतंत्र में एक नई क्रांति ला दी है। पहले जहाँ लोग टीवी समाचार चैनलों या अखबारों के भरोसे रहते थे, वहीं अब फेसबुक लाइव, यूट्यूब स्ट्रीमिंग और ट्विटर अपडेट्स से उन्हें तुरंत जानकारी मिल जाती है। विधानसभा या संसद जैसी संस्थाओं की कार्यवाही अब केवल दीवारों के भीतर सीमित नहीं रही, बल्कि सीधे जनता के मोबाइल स्क्रीन पर पहुँचने लगी।

यह बदलाव सकारात्मक भी था। आम नागरिक, खासकर युवा, लोकतांत्रिक विमर्श से जुड़ने लगे। उन्हें यह समझने का अवसर मिला कि उनके चुने प्रतिनिधि सदन में उनके मुद्दों पर किस तरह की बहस कर रहे हैं। लेकिन साथ ही इसके नकारात्मक पहलू भी सामने आए। कई बार सदन की गंभीर बहस के छोटे-छोटे अंश निकालकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए गए, जिनका प्रयोग राजनीतिक प्रचार, व्यंग्य या गलतफहमियाँ फैलाने के लिए किया गया। नतीजतन, कार्यवाही का वास्तविक उद्देश्य पीछे छूट गया और विवादों ने ज्यादा सुर्खिय़ाँ बटोरीं।

हरियाणा प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष हरिविंद्र कल्याण का कहना है कि इंटरनेट मीडिया पर वायरल होते वीडियो-संदेशों ने सदन की गरिमा को ठेस पहुँचाई है। कई बार असंसदीय शब्दों, हंगामों और कटाक्षों के छोटे-छोटे हिस्सों को बार-बार प्रसारित किया जाता है, जिससे जनता तक केवल नकारात्मक छवि ही पहुँचती है। उन्होंने आदेश जारी करते हुए स्पष्ट किया है कि अब से केवल मान्यता प्राप्त टीवी चैनल ही कार्यवाही का सीधा प्रसारण कर सकेंगे, जबकि किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लाइव या रिकॉर्डिंग डालने पर सख़्त प्रतिबंध रहेगा। उनका तर्क यह भी है कि सदन की कार्यवाही से हटाए गए शब्दों और अंशों को सोशल मीडिया पर प्रसारित करना सीधा नियमों का उल्लंघन है। इसलिए इस पर रोक लगाना आवश्यक है। आदेश में यह भी कहा गया है कि उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की जाएगी।

हालाँकि यह तर्क सतही तौर पर सही प्रतीत होता है, लेकिन लोकतांत्रिक दृष्टि से कई प्रश्न भी खड़े करता है। विधानसभा जनता के टैक्स से चलती है, और वहाँ की हर गतिविधि का सीधा संबंध नागरिकों से है। ऐसे में सूचना तक पहुँच को सीमित करना लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत माना जा सकता है। आज की युवा पीढ़ी टीवी नहीं देखती। वह यूट्यूब, ट्विटर और इंस्टाग्राम पर सक्रिय है। यदि केवल टीवी चैनलों तक कार्यवाही सीमित कर दी जाएगी, तो एक बड़ी आबादी लोकतांत्रिक विमर्श से वंचित रह जाएगी। जब केवल चुनिंदा माध्यमों को अनुमति होगी, तो यह संदेश जाएगा कि सूचना पर नियंत्रण किया जा रहा है। लोकतंत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही कमजोर होगी। भारत में 82 करोड़ से अधिक लोग इंटरनेट का प्रयोग करते हैंलगभग 45 करोड़ लोग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स (फेसबुक, यूट्यूब, इंस्टाग्राम, ट्विटर आदि) पर सक्रिय हैं। टीवी देखने वालों की संख्या घट रही है, जबकि मोबाइल पर समाचार देखने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। संसद टीवी और राज्य विधानसभाओं के चैनल बहुत कम दर्शकों तक पहुँच पाते हैं, जबकि यूट्यूब पर एक लाइव स्ट्रीम लाखों दर्शक जुटा सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, लोकतंत्र में डिजिटल पारदर्शिता ही जनता का विश्वास बनाए रखने का सबसे बड़ा साधन है।

टीवी चैनल अब भी सीमित वर्ग तक ही पहुँचते हैं, जबकि सोशल मीडिया की पहुँच गाँव-गाँव और युवाओं तक है। भारत जैसे देश में जहाँ डिजिटल इंडिया की बात होती है, वहाँ सूचना को केवल टीवी चैनलों तक सीमित करना समय की माँग से मेल नहीं खाता। आज की राजनीति और समाज का बड़ा विमर्श ट्विटर ट्रेंड्स और यूट्यूब डिबेट्स में ही आकार लेता है।

यह सही है कि सदन की कार्यवाही को असंदर्भित तरीके से सोशल मीडिया पर फैलाना उचित नहीं। कई बार मजाक या राजनीतिक हमले के लिए हिस्से काटकर वायरल कर दिए जाते हैं। इससे जनता तक अधूरी और गलत तस्वीर पहुँचती है। लेकिन समाधान यह नहीं कि पूरी तरह से रोक लगा दी जाए।

बेहतर उपाय यह हो सकता है कि विधानसभा खुद एक आधिकारिक यूट्यूब चैनल, ट्विटर हैंडल और इंस्टाग्राम अकाउंट बनाए। वहाँ से कार्यवाही का सम्पूर्ण और बिना संपादन वाला प्रसारण किया जाए। साथ ही स्पष्ट नियम बनाए जाएँ कि अन्य लोग इस आधिकारिक कंटेंट को संदर्भ बदलकर नहीं इस्तेमाल कर सकते। इस तरह मयार्दा भी बनी रहेगी और पारदर्शिता भी सुनिश्चित होगी। दुनिया के कई लोकतांत्रिक देशों में संसद और विधानसभा की कार्यवाही लाइव स्ट्रीमिंग के माध्यम से जनता तक पहुँचाई जाती है। ब्रिटेन, अमेरिका, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों ने अपनी संसद की कार्यवाही को ऑनलाइन सुलभ कर रखा है। वहाँ भी असंसदीय शब्द या हंगामे होते हैं, लेकिन फिर भी जनता को सम्पूर्ण जानकारी दी जाती है ताकि लोकतंत्र में विश्वास बना रहे।

मुद्दाः गणपति पूजन और प्रकृति का सम्मान

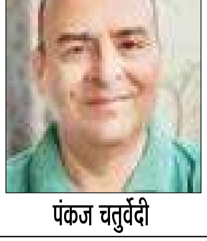

पंकज चतुर्वेदी

कुछ ही दिनों में बारिश के बादल अपने घरों को लौटने वाले हैं। सुबह सूरज कुछ देर से दिखेगा और जल्दी अंधेरा छाने लगेगा। असल में मौसम का यह बदलता मिजाज उमंगों-खुशहाली के स्वागत की तैयारी है। सनातन मान्यताओं की तरह प्रत्येक शुभ कार्य के पहले गजानन गणपति की आराधना अनिवार्य है और इसीलिए उत्सवों का प्रारंभ गणेश चतुर्थी से ही होता है। कुछ साल पहले प्रधानमंत्री 'मन की बात' में अपील कर चुके हैं कि देव प्रतिमाएं प्लास्टर आफ पेरिस (पीओपी) की नहीं बनाएं, मिट्टी की ही बनाएं। तेलंगाना, महाराष्ट्र, राजस्थान की सरकारें भी ऐसे आदेश जारी कर चुकी हैं, लेकिन राजधानी दिल्ली से सटे साहिबाबाद रेलवे स्टेशन के बाहर धड़ल्ले से पीओपी की प्रतिमाएं बन रही हैं और बिक भी रही हैं। ऐसा ही दृश्य देश के हर बड़े-छोटे कस्बों में देखा जा सकता है।

यह तो प्रारंभ है, इसके बाद दुर्गा पूजा या नवरात्रि, विश्वकर्मा पूजा, दीपावली से ले कर होली तक एक के बाद एक के आने वाले त्योहार असल में किसी जाति-पंथ के नहीं, बल्कि भारत की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं की मजबूत कड़ियां हैं। विडंबना है कि जिन पर्व-त्योहारों के रीति रिवाज, खानपान कभी समाज और प्रकृति के अनुरूप हुआ करते थे, आज पर्व के मायने हैं पर्यावरण, समाज और संस्कृति सभी का क्षरण। निर्देश, आदेश, अदालतों के फरमान के बावजूद गणपति-पर्व का मिजाज बदलता नहीं दिख रहा है। महाराष्ट्र, उससे सटे गोवा, आंध्र प्रदेश व तेलगांना, छत्तीसगढ़, गुजरात व मप्र के मालवा-निमाड़ अंचल में पारंपरिक रूप से मनाया जाने वाला गणेशोत्सव अब देश में हर गांव-कस्बे तक फैल गया है। दिल्ली में ही हजार से ज्यादा छोटी-बड़ी मूर्तियां स्थापित हो रही हैं। यही नहीं मुंबई के प्रसिद्ध लाल बाग के राजा की ही तरह विशाल प्रतिमा, उसी नाम से यहां देखी जा सकती है। पारंपरिक तौर पर मूर्ति मिट्टी की बनती थी, जिसे प्राकृतिक रंगों, कपड़ों आदि से सजाया जाता था। आज प्रतिमाएं प्लास्टर आफ पेरिस से बन रही हैं, जिन्हें रासायनिक रंगों से पोता जाता है। कुछ राज्य सरकारों ने प्लास्टर आफ पेरिस की मूर्तियों को जब्त करने की चेतावनी भी, लेकिन ऐसा हो नहीं पाया और पूरा बाजार घटिया रासायनिक रंगों से पुती पीओपी की प्रतिमाओं से पटा हुआ है। गणेशात्सव का समापन होते ही नवरात्रि में दुर्गा पूजा शुरू हो जाएगी। यह भी लगभग पूरे भारत में मनाया जाने लगा है। हर गांव-कस्बे में एक से अधिक स्थानों पर सार्वजनिक पूजा पंडाल बन रहे हैं। बीच में विश्वकर्मा पूजा भी आ गई और अब इसी की प्रतिमाएं बनाने की रिवाज शुरू हो गई है। कहना ना होगा कि प्रतिमा स्थापना कई हजार करोड़ की चंदा वसूली का जरिया है। एक अनुमान है कि हर साल देश में इन तीन महीनों के दौरान 10 लाख से ज्यादा प्रतिमाएं बनती हैं और इनमें से 90 फीसद पीओपी की होती है। इस तरह देश के ताल-तलैया, नदियों-समुद्र में नब्बे दिनों में कई सौ टन प्लास्टर आफ पेरिस, रासायनिक रंग, पूजा सामग्री मिल जाती है। पीओपी ऐसा पदार्थ है जो कभी समाप्त नहीं होता है। इससे वातावरण में प्रदूषण का मात्रा के बढ़ने की संभावना बहुत अधिक है। प्लास्टर आफ पेरिस, कैल्शियम सल्फेट हेमी हाइड्रेट होता है जो कि जिप्सम (कैल्शियम सल्फेट डीहाइड्रेट) से बनता है चूंकि ज्यादातर मूर्तियां पानी में न घुलने वाले पीओपी से बनी होती है, उन्हें विषैले एवं पानी में न घुलने वाले नॉन बायोडिग्रेडेबल रंगों में रंगा जाता है, इसलिए हर साल इन मूर्तियों के विसर्जन के बाद पानी की बॉयोलॉजिकल आक्सीजन डिमांड तेजी से घट जाती है जो जलजन्य जीवों के लिए कहर बनता है। वैसे बहुत से राज्य ऐसी प्रतिमाओं को नदी-तालाब के स्थान पर कृत्रिम बनाए गए तालाबों में विसर्जन की व्यवस्था कर रहे हैं, लेकिन इस तरह विसर्जित प्रतिमाओं का जहर भी अंततः प्रकृति में ही घुलता है। परंपरा तो ही थी कि कुम्हार नदी-सरिताओं के तट से यह चिकनी महीन मिट्टी ले कर आता था और उससे प्रतिमा गढ़ता था। पूजा होती थी और-'तेरा तुझको अर्पण' की सनातन परंपरा के अनुसार उस मिट्टी को फिर से जल में ही प्रवाहित कर दिया जाता था, लेकिन आज तो हम नदी में जहर बहा रहे हैं जो जलचरों का काल बना है।

सवाल खड़ा होता है कि तो क्या पर्व-त्योहारों का विस्तार गलत है? इन्हें मनाना बंद कर देना चाहिए?

एक तो हमें प्रत्येक त्योहर की मूल आत्मा को समझना होगा, जरूरी तो नहीं कि बड़ी प्रतिमा बनाने से ही भगवान ज्यादा खुश होंगे! क्या छोटी प्रतिमा बना कर उसका विसर्जन जल-निधियों की जगह अन्य किसी तरीके से करके, प्रतिमाओं को बनाने में पर्यावरण मित्र सामग्री का इस्तेमाल करने जैसे प्रयोग तो किए जा सकते हैं। भारतीय पर्व असल में प्रकृति को उसकी देन-आशीर्वाद के लिए धन्यवाद देने के लिए होते हैं, लेकिन इस पर बाजारवाद जो रंग चढ़ा है, उससे वे प्रकृति-हंता बन कर उभरे हैं। प्रशासन के लिए भी प्रधानमंत्री की अपील काफी है कि वह बलात पीओपी की प्रतिमाओं के निर्माण पर पाबंदी लगाए। समाज को भी गणपति या देवी प्रतिमाओं को पानी में विसर्जित करने के बजाए जमींदोज करने के विकल्प पर विचार करना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

म्यांमार में भूकंप के झटके

नाएप्यीडॉ, एजेंसी। म्यांमार में मंगलवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इन भूकंप के झटकों की तीव्रता 3.5 रही। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी ने बताया कि भूकंप का केंद्र जमीन में 25 किलोमीटर नीचे था। इससे पहले भी म्यांमार में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे, जिनकी रिक्टर स्केल पर तीव्रता 4.9 थी। म्यांमार भूकंप के लिहाज से संवेदनशील इलाके में स्थित है और यहां अक्सर भूकंप आते रहते हैं। इस साल 28 मार्च को भी यहां 7.7 और 6.4 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए थे।

ताइवान की सीमा में घुसे चीनी विमान

ताइपे, एजेंसी। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि चीनी सेना के छह विमानों और सात युद्धक जहाजों ने ताइवान की सीमा का उल्लंघन किया। सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में ताइवानी रक्षा मंत्रालय ने बताया कि छह पीएलए विमानों और सात युद्धक जहाजों के साथ ही चीनी सेना के एक आधिकारिक जहाज को सुबह छह बजे ताइवान की सीमा के पास देखा गया। छह विमानों में से एक ने मीडियन लाइन को पार कर ताइवान की सीमा में प्रवेश किया। हम हालात की समीक्षा कर रहे हैं और स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। गौरतलब है कि चीन, ताइवान को अपना हिस्सा मानता है और इसके चलते अक्सर उसके विमान और युद्धक जहाज ताइवान की सीमा का उल्लंघन करते दिख जाते हैं।

नौ मई दंगा केस में इमरान के 75 समर्थकों को जेल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की एक आतंक-रोधी कोर्ट ने सोमवार को इमरान खान की पार्टी के 75 नेताओं व कार्यकर्ताओं को नौ मई, 2023 के दंगों का दोषी पाते हुए तीन से 10 साल जेल की सजा सुनाई। मामले में कुल 109 आरोपी थे। फैसलाबाद एटीसी ने यह फैसला राणा सनाउल्लाह के घर पर हमले के मामले में सुनाया। सनाउल्लाह पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज की पंजाब इकाई के अध्यक्ष हैं। पीटीआई पार्टी के 59 नेताओं और कार्यकर्ताओं को 10-10 साल और 16 अन्य को तीन-तीन साल की सजा सुनाई गई है। दोषी ठहराए गए प्रमुख लोगों में नेशनल असेंबली के पूर्व नेता प्रतिपक्ष उमर अयूब, पूर्व नेता प्रतिपक्ष शिबली फराज, पूर्व सांसद जरताज गुल अहमद चट्ठा शामिल हैं। बलूचिस्तान पोस्ट के मुताबिक ग्वादर व कराची में लोगों को गिरफ्तार कर गायब करने की घटनाएं बढ़ गई हैं। सुरक्षा बलों ने रविवार देर रात तक ग्वादर के कुलदान, गुब्द व सिंध के कराची से छह लोगों को उठा लिया। इस दौरान सैनिकों ने उनके साथ मारपीट भी की। वहीं, खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में दो अलग-अलग आतंकी हमलों में पांच सुरक्षाकर्मी मारे गए और 17 अन्य घायल हुए हैं।

नग्न होकर सड़क पर घूम रहे लिल नास एक्स पर पुलिस पर हमला करने के आरोप

लॉस एंजेलिस, एजेंसी। मशहूर अमेरिकी रैपर और सिंगर मोन्टेरो लामार हिल जो कि लिल नास एक्स के नाम से जाने जाते हैं। उनपर पुलिस अधिकारियों पर हमला करने और विरोध करने के आरोप में चार आपराधिक मामले दर्ज किए गए हैं। यह कार्रवाई उस घटना के बाद की गई जब वे पिछले हफ्ते लॉस एंजेलिस की एक सड़क पर नग्न हालत में घूमते पाए गए। लॉस एंजिलिस जिला अटॉर्नी ऑफिस के मुताबिक, 26 वर्षीय लिल नास एक्स पर तीन बार पुलिस अधिकारी को चोट पहुंचाने और एक बार अधिकारी का विरोध करने की गंभीर आपराधिक धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। इससे पहले शुक्रवार को उन्हें मामूली अपराध (मिस्डीमीनर) के तहत हिरासत में लिया गया था। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार सुबह करीब 6 बजे स्टूडियो सिटी इलाके की व्यस्त वेंचुरा बुलेवार्ड पर उन्हें नग्न हालत में टहलते देखा गया। जब पुलिस ने उन्हें रोका, तो उन्होंने अधिकारियों पर हमला कर दिया। इसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस को शक था कि वह किसी नशे की हालत में हो सकते हैं, इसलिए उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां कुछ घंटे बिताने के बाद उन्हें जेल भेज दिया गया। तब से वह पुलिस हिरासत में हैं।

चीन में काजिकी तूफान से पहले 20 हजार लोग हटाए गए

सान्या, एजेंसी। चीन के सान्या शहर में काजिकी नामक तूफान से मंगलवार सुबह तक 320 मिमी (12.6 इंच) तक बारिश होने की आशंका है। इसे देखते हुए अधिकारियों ने दुकानें और सार्वजनिक परिवहन को बंद कर दिया है। तूफान के चीन के द्वीपीय प्रांत हैनान के दक्षिणी तट से गुजरने के दौरान तेज हवा-बारिश की आशंका है। इसे दखेते हुए 20,728 लोगों को क्षेत्र से हटाया गया है। हैनान में 2,800 से ज्यादा बचावकर्मी तैनात किए गए हैं। सभी 30,769 मछली पकड़ने वाली नौकाएं बंदरगाह पर लौट आई हैं। वहीं, वियतनाम में तूफान के मद्देनजर लाखों लोगों को सुरक्षित हटाया गया है।

दिवगंत कारोबारी स्वराज पॉल की याद में रखी गई प्रार्थना सभा, बेटे ने कहा- आगे बढ़ाऊंगा ईमानदारी की विरासत

लंदन, एजेंसी। जाने-माने अप्रवासी भारतीय कारोबारी लॉर्ड स्वराज पॉल का कुछ दिन पहले 94 साल की उम्र में लंदन में निधन हुआ। उनके बेटे आकाश पॉल ने कहा कि उनके पिता की सच्चाई, भरोसा और ईमानदारी की विरासत हमेशा उनके परिवार और उनके कारोबार कैपैरो समूह का मार्गदर्शन करती रहेंगी। लंदन के चिड़ियाघर में एक प्रार्थना सभा रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। यह वही चिड़ियाघर है जिसे लॉर्ड पॉल ने अपने पैसे से बंद होने से बचाया था। इसलिए उनकी याद में यह जगह चुनी गई। इस कार्यक्रम में उनके दोस्त, कारोबारी, नेता और समाज सेवा से जुड़े लोग शामिल हुए। प्रार्थना के दौरान वैदिक मंत्रों का पाठ किया गया।

कैपैरो समूह के निदेशक आकाश पॉल ने पीटीआई से कहा, पिता के लिए लोगों का इतना प्यार और सम्मान देखकर मैं भावुक हूं, शारीरित रूप से उत्साहित हूं और श्रद्धांजलि देने वालों की संख्या देखकर आश्चर्यकित हूं, लेकिन उनके (दिवंगत पिता) गुणों से हैरान नहीं हूं। आकाश ने कहा, मुझे पिता की महान आत्मा पर गर्व है। अब मैं मन से प्रेरित हूं कि उन्होंने जो ईमानदारी, मेहनत और अच्छे सिद्धांतों की मजबूत विरासत छोड़ी है, मैं उसे आगे बढ़ाता रहूं। सच्चाई, भरोसे और साफ दिल से काम करना ही उनकी सबसे बड़ी विरासत है, जो हमेशा हमारे साथ रहेगी।

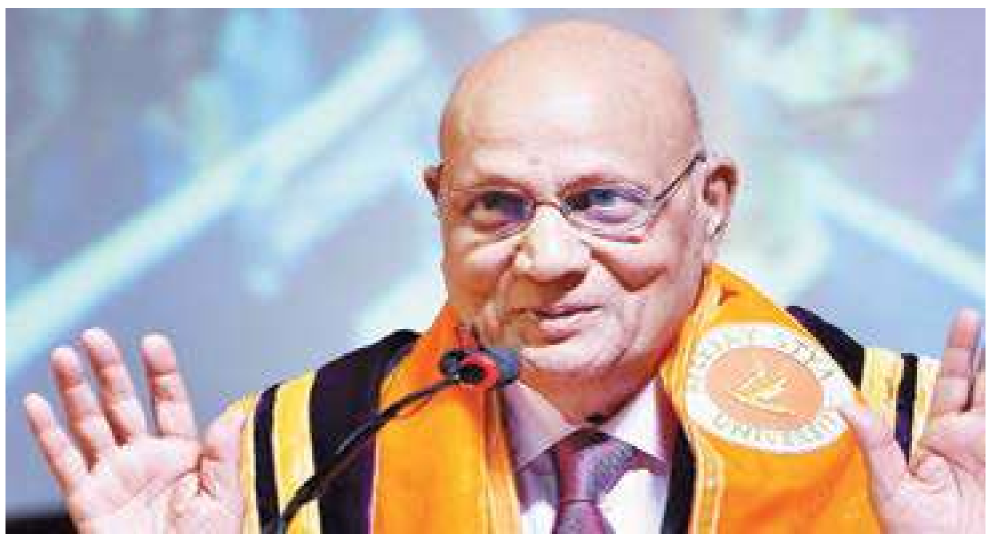

आकाश ने बताया कि जब वह अपनी पत्नी के साथ आइसलैंड घूमने गए थे, तभी खबर मिली कि पिता उनसे और पोते से बात करना चाहते हैं। जब फोन कान पर लगाया गया, तो आकाश रो पड़े। उन्होंने कहा, मैंने पिता से कहा कि मैं उनसे बहुत प्यार करता हूं और जल्दी मिलूंगा। लेकिन यही मेरी उनसे आखिरी बात थी। जैसे ही मैंने अपनी बात खत्म की, कुछ ही मिनट में उनके देखभाल करने वाले का फोन आया कि पिता ने मेरी आवाज सुनकर ही दुनिया को अलविदा कह दिया।

जुलाई 2024 में लॉर्ड पॉल ने आकाश को वूल्वरहैम्प्टन विश्वविद्यालय में सम्मानित किया था। उस वक्त उन्होंने कहा था कि आकाश ने उनके कारोबार को भारत, यूरोप, अमेरिका और ब्रिटेन में आगे बढ़ाया है। आकाश ने कहा, मैं ए से लेकर जेड तक हर अक्षर का इस्तेमाल यह बताने के लिए इस्तेमाल कर सकता हूं कि वह उद्योग जगह के एक महान शख्स क्यों थे। इस प्रार्थना सभा में उनके भाई अंबर, बहन अंजली, उनके पोते-पोतियां, पड़पोते और परिवार के अन्य सदस्य भी शामिल हुए।

लॉर्ड स्वराज पॉल का जन्म पंजाब के जालंधर में हुआ था। उन्होंने अपनी बेटी अम्बिका की मौत के बाद लंदन आकर मेहनत से बहुत बड़ा कारोबार खड़ा किया। उन्होंने भारत और इंग्लैंड के संबंधों को भी मजबूत किया। बाद में उन्होंने अपनी बेटी, बेटे और पत्नी की याद में समाज सेवा का काम शुरू किया- जैसे बच्चों के लिए चिड़ियाघर, स्कूलों को मदद और कई दान कार्य। अपनी किताब में उन्होंने लिखा था, मैं बहुत बड़ा आदमी बनने का सपना नहीं देखता था। मैंने जो भी पाया, वो मेहनत से पाया। लेकिन अब मेरी एक ही ख्वाहिश है कि बच्चों का चिड़ियाघर दुनिया का सबसे अच्छा चिड़ियाघर बने।

प्रधानमंत्री अल्बनीज का सनसनीखेज आरोप- ईरान ने ऑस्ट्रेलिया में यहूदी विरोधी हमले करवाए

सिडनी, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने ईरान पर गंभीर आरोप लगाया कि उसने ऑस्ट्रेलिया में कम से कम दो यहूदी विरोधी हमलों को अंजाम देने का निर्देश दिया। अल्बनीज ने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई खुफिया सेवाओं के मुताबिक, सिडनी के एक रेस्टोरेंट और मेलबर्न की एक मस्जिद पर हुए हमलों के पीछे ईरान का हाथ है। इस वजह से ऑस्ट्रेलिया ईरानी राजदूत को निष्कासित कर रहा है।

ईरान सरकार ने दिए हमलों के आदेश : अल्बनीज ने खुफिया एजेंसी का हवाला देते हुए बताया कि ऑस्ट्रेलियाई सुरक्षा खुफिया संगठन ने विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आधार पर एक चिंताजनक निष्कर्ष निकाला है। कम से कम दो हमलों का निर्देश ईरान सरकार ने दिया था। ईरान ने अपनी संलिप्तता को छिपाने की कोशिश की, लेकिन एएसआईओ का मानना है कि इन हमलों के पीछे ईरान ही था। उन्होंने कहा कि पिछले साल 20 अक्टूबर को सिडनी के लुईस कॉन्टिनेंटल किचन और 6 दिसंबर को मेलबर्न के अदास इजराइल सिनागॉग पर हुए हमलों में ईरान की भूमिका थी, जिसे उसने छिपाने की कोशिश की।

सामाजिक एकता को तोड़ने की साजिश : अल्बनीज ने कहा कि एएसआईओ के अनुसार, संभव हो कि ईरान ने और हमलों की योजना बनाई हो। उन्होंने इसे ऑस्ट्रेलियाई धरती पर एक विदेशी राष्ट्र द्वारा रची गई असाधारण और खतरनाक आक्रामकता करार दिया। ये हमले सामाजिक एकता को कमजोर करने और समुदाय में विभाजन पैदा करने की कोशिश थे।

अल्बनीज ने बताया कि ऑस्ट्रेलिया ने तेहरान स्थित अपने दूतावास का कामकाज स्थगित कर दिया है और सभी राजनयिक किसी तीसरे देश में सुरक्षित हैं। उन्होंने यह भी घोषणा की कि उनकी सरकार तेहरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर को आतंकवादी संगठन घोषित करेगी।

वियतनाम से टकराया तूफान, दक्षिण पूर्व एशिया के कई हिस्सों में भारी बारिश-बाढ़ की चेतावनी

हनोई, एजेंसी। वियतनाम में एक उष्णकटिबंधीय तूफान के आने के बाद मंगलवार को दक्षिण-पूर्व एशिया के कुछ हिस्सों में भारी बारिश हुई। वियतनाम की राजधानी में भी भारी बारिश हुई, जिसके चलते सड़कों पर पानी भर गया, होर्डिंग उड़ गए और बिजली के खंभे और पेड़ गिर गए। वियतनाम के सरकारी मीडिया ने बताया कि तूफान काजिकी के चलते अब लाओस के ऊपर एक उष्णकटिबंधीय दबाव क्षेत्र बन गए हैं। थाईलैंड में भी बारिश का अनुमान है।

छह लाख लोगों को सुरक्षित जगह ले जाया जा रहा

वियतनाम सरकार ने भारी बारिश के चलते थान होआ, क्वांग त्रि, ह्यू और दानंग प्रांतों में लगभग 600,000 लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाने की योजना बनाई है। तूफान के असर से इन इलाकों में बड़ी संख्या में घर उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में हैं। यही वजह है कि सरकार लोगों को प्रभावित इलाकों से निकाल रही है। इस काम में सरकार ने 16,500 से ज़्यादा सैनिक और 107,000 अर्धसैनिक बल के जवानों को लगाया है। सोमवार को उड़ानें रोक दिए जाने के बाद थान होआ और क्वांग बिन्ह प्रांतों के दो हवाई अड्डे मंगलवार को भी बंद रहे।

तूफान और भारी बारिश से हुआ नुकसान

राष्ट्रीय मौसम एजेंसी ने बताया कि काजिकी तूफान के चलते वियतनाम में 117 किलोमीटर प्रति घंटे (73 मील प्रति घंटे) की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं। मूसलाधार बारिश के कारण अचानक बाढ़ और भूस्खलन की चेतावनी जारी की गई। तूफान ने होर्डिंग और कई इमारतों की छतें उड़ा दीं, पेड़ उखड़ गए और बिजली के खंभे गिर गए। यह तूफान सोमवार दोपहर वियतनाम से टकराया, जिससे तटीय प्रांतों में बाढ़ आ गई।

जलवायु परिवर्तन के चलते दक्षिण पूर्व एशिया में ज्यादा आएंगे तूफान

मध्य वियतनाम के थान होआ और हा तिन्ह प्रांतों में रात भर भारी बारिश होती रही। राजधानी हनोई की सड़कें भी भारी बारिश से जलमग्न हो गईं। काजिकी तूफान के चलते चीन के दक्षिणी हैनान द्वीप पर भी तेज़ हवाएं और बारिश हुई थी। वैज्ञानिकों ने पिछले साल एक प्रकाशित अध्ययन में चेतावनी दी थी कि जलवायु परिवर्तन से गर्म हुए समुद्रों के परिणामस्वरूप दक्षिण पूर्व एशिया के चक्रवात जमीन के करीब बनेंगे, वे तेज़ी से मजबूत होंगे और लंबे समय तक चलेंगे, जिससे शहरों के लिए जोखिम बढ़ जाएगा।

ट्रम्प ने चीन पर 200प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दी: कहा- मेरे पास ऐसे कार्ड हैं, जिन्हें खोल दिया तो चीन बर्बाद हो जाएगा

वॉशिंगटन डी सी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चीन पर 200प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दी है। ट्रम्प ने कहा,अगर चीन ने अमेरिका को पर्याप्त मात्रा में मैग्नेट (चुम्बक) की सप्लाई नहीं की, तो उनके आयात पर भारी टैरिफ लगाया जा सकता है।

ट्रम्प ने ओवल ऑफिस में पत्रकारों से कहा कि वह चीन के साथ बेहतर रिश्ता चाहते हैं, लेकिन व्यापारिक तनाव अभी भी बना हुआ है। उन्होंने कहा कि व्यापार विवाद में वॉशिंगटन की स्थिति से ज्यादा मजबूत है। ट्रम्प ने कहा, चीन के पास कुछ कार्ड हैं। हमारे पास भी कुछ कार्ड हैं, लेकिन मैं ये पत्ते नहीं खेलना चाहता। अगर मैंने ऐसा किया, तो चीन बर्बाद हो जाएगा। मैं ये पत्ते नहीं खेलूंगा। ट्रम्प ने यह टिप्पणी साउथ कोरियाई राष्ट्रपति ली जे म्युंग के साथ बैठक के दौरान की।

ट्रम्प ने आगे कहा कि उन्होंने हाल ही में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से बात की है और बीजिंग की यात्रा पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, किसी भी समय, शायद इसी साल या उसके तुरंत बाद, मैं चीन जा सकता हूं। उन्होंने यह भी बताया कि शी जिनपिंग ने उन्हें न्यौता दिया है।

अमेरिका ने चीन पर एक्स्ट्रा टैरिफ 90 दिन टाला था : इससे पहले ट्रम्प ने 12 अगस्त को 90 दिनों के लिए टाल दिया था। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बताया था कि उन्होंने अमेरिका-चीन टैरिफ डेडलाइन 9 नवंबर तक बढ़ाने के एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पर साइन किया है। इससे पहले अमेरिका और चीन के बीच 11 मई को जिनेवा में ट्रेड डील हुई थी। अमेरिका और चीन के बीच लंबा टैरिफ वॉर चला। ट्रम्प ने चीन पर 245प्रतिशत तक टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। चीन ने जवाब में 125प्रतिशत टैरिफ लगाने की बात कही। हालांकि, जिनेवा ट्रेड डील के बाद यह लागू नहीं हुआ।

चीन ने अमेरिका को रेयर अर्थ मेटल्स की सप्लाई रोकी थी : चीन ने अप्रैल में कई रेयर अर्थ मटेरियल और मैग्नेट्स पर नियंत्रण को और सख्त कर दिया था। अमेरिका के लगाए गए टैरिफ की जवाबी कार्रवाई के तौर पर चीन ने अमेरिका के लिए 7 अर्थ मटेरियल की ,सप्लाई पर रोक लगा दी थी। चीन ने कार, ड्रोन से लेकर रोबोट और मिसाइलों तक असेंबल करने के लिए जरूरी मैग्नेट यानी चुंबकों के शिपमेंट भी चीनी बंदरगाहों पर रोक दिए थे। ये मटेरियल ऑटोमोबाइल, सेमीकंडक्टर और एयरोस्पेस बिजनेस के लिए बेहद अहम हैं। इस फैसले से दुनियाभर में मोटरव्हीकल, एयरक्राफ्ट, सेमीकंडक्टर और हथियार बनाने वाली कंपनियों पर असर पड़ा।

इलेक्ट्रॉनिक्स से आईटी तक में रेयर अर्थ मटेरियल का इस्तेमाल : रेयर अर्थ मटेरियल 17 एलिमेंट्स का एक ग्रुप है, जो कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स से लेकर मिलिट्री इक्विपमेंट तक में इस्तेमाल होता है। इसका उपयोग आईटी इंडस्ट्रीज, सौर ऊर्जा, केमिकल इंडस्ट्रीज के अलावा आधुनिक तकनीकी ऑयल रिफाइनरी में और कई अन्य इंडस्ट्रीज में होता है।

डोनाल्ड ट्रंप ने फेडरल रिजर्व की गवर्नर लिसा कुक को किया बर्खास्त

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फेडरल रिजर्व की गवर्नर लिसा कुक को उनके पद से हटा दिया है। लिसा कुक को 2022 में तत्कालीन राष्ट्रपति जो बाइडेन ने नियुक्त किया था। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर जानकारी देते हुए कहा कि लिसा कुक को तत्काल प्रभाव से फेडरल रिजर्व के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स से हटाया जा रहा है।

क्या है पूरा मामला? : दरअसल, लिसा कुक पर मॉर्गेज फ्रॉड (गृह ऋण में धोखाधड़ी) का आरोप लगा था। ये आरोप फेडरल हाउसिंग फाइनेंस एजेंसी के डायरेक्टर बिल पुल्टे ने लगाए थे। बिल पुल्टे ट्रंप के समर्थक और फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल के आलोचक माने जाते हैं। पुल्टे का दावा है कि जून 2021 में लिसा कुक ने मिशिगन में एक प्रॉपर्टी खरीदी और 15 साल के मॉर्गेज एग्रीमेंट में इसे अपना मुख्य निवास बताया।

उनका दावा है कि इसके एक महीने बाद जुलाई 2021 में कुक ने जॉर्जिया के अटलांटा में एक और प्रॉपर्टी खरीदी और 30 साल के एग्रीमेंट में इसे भी अपना मुख्य निवास बताया। पुल्टे ने सवाल उठाया कि जो व्यक्ति अपनी ब्याज दर बचाने के लिए झूठ बोल सकता है, वह ब्याज दरों को नियंत्रित करने की जिम्मेदारी कैसे संभाल सकता है?

22 अगस्त को ट्रंप ने मांगा था इस्तीफा : इसके बाद पुल्टे ने 20 अगस्त को इस मामले को लेकर डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस से शिकायत भी की थी। पुल्टे की शिकायत के बाद जस्टिस डिपार्टमेंट के वकील एड मार्टिन ने फेड चेयर जेरोम पॉवेल को पत्र लिखकर लिसा कुक को तुरंत हटाने की मांग की था। मामला सामने आने के बाद ट्रंप ने भी इस मुद्दे को आगे बढ़ाते हुए कुक से इस्तीफा मांगा। इसके बाद ट्रंप ने 22 अगस्त को ऐलान किया था कि अगर कुक इस्तीफा नहीं देती हैं तो वह उन्हें बर्खास्त कर देंगे।

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी को दिया गया गार्ड ऑफ ऑनर, द्विपक्षीय रक्षा सहयोग पर हुई चर्चा

अल्जीयर्स, एजेंसी। सेना प्रमुख (सीओएएस) जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने सोमवार को अपनी आधिकारिक अल्जीरिया यात्रा के दौरान गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण किया और भारत और अल्जीरिया के बीच रक्षा सहयोग को और मजबूत करने को लेकर बातचीत की। जनरल द्विवेदी ने अल्जीरियाई थल सेना कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मोस्तेफा समाली से मुलाकात की। उन्होंने भारत और अल्जीरिया की सेनाओं के बीच आपसी रक्षा सहयोग को बढ़ाने पर चर्चा की।

भारतीय सेना के जनसंपर्क निदेशालय (एडीजी-पीआई) ने एक्स पर एक पोस्ट में जानकारी दी कि जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने अल्जीयर्स स्थित थल सेना कमान मुख्यालय में गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण किया और फिर लेफ्टिनेंट जनरल मोस्तेफा समाली के साथ बातचीत की। बातचीत का उद्देश्य दोनों देशों की सेनाओं के बीच सहयोग को बढ़ाना, शांति और सुरक्षा के प्रति आपसी प्रतिबद्धता को मजबूत करना था।

अपनी यात्रा की शुरुआत जनरल द्विवेदी ने सोमवार को अल्जीरिया में भारत की राजदूत स्वाति विजय कुलकर्णी की ओर से आयोजित स्वागत रात्रिभोज के साथ की। इस कार्यक्रम में अल्जीरियाई गणमान्य व्यक्तियों, विभिन्न देशों के राजदूतों, रक्षा अधिकारियों, वाणिज्य मंडलों के प्रमुखों, थिंक टैंक और शिक्षाविदों ने हिस्सा लिया। जरनल द्विवेदी से पहले हाल ही में भारत की राष्ट्रपति और चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) भी अल्जीरिया की यात्रा कर चुके हैं। यह दौरे दोनों देशों के बीच मजबूत संबंधों की गंभीरता को दर्शाते हैं।

इस यात्रा से पहले 30 जुलाई से एक अगस्त तक अल्जीयर्स में एक रक्षा सेमिनार आयोजित किया गया था, जिसमें भारतीय रक्षा कंपनियों ने अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन किया था। इसका मकसद भारत और अल्जीरिया के बीच रक्षा तकनीक और उद्योग में साझेदारी की नींव रखना था। गौरतलब है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद जनरल उपेंद्र द्विवेदी की यह पहली विदेशी यात्रा है। यह ऑपरेशन सात मई को उस समय शुरू किया गया था, जब 22 अप्रैल को पहलगाम में एक आतंकी हमले में 26 निर्दोष नागरिक मारे गए थे। भारत ने एलओसी पार कर आतंकी ठिकानों को ध्वस्त करने के लिए यह अभियान चलाया।

दुखद घटना पर गहरा अफसोस, पत्रकारों की मौत पर नेतन्याहू बोले- जांच होगी

तेल अवीव, एजेंसी। गाजा में इजरायल के हमले जारी हैं। हमास के उग्रवादियों को निशाना बनाने का दावा करने वाले इजरायली हमलों में आम नागरिक, पत्रकार और मेडिकल कर्मचारी बड़ी संख्या में मारे जा रहे हैं। सोमवार को इजरायल ने गाजा पट्टी के एक अस्पताल पर हवाई हमला किया, जिसमें पांच पत्रकारों सहित 22 लोगों की जान चली गई। इस घटना के बाद इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मृतकों के प्रति खेद जताया और जांच की बात कही।

नेतन्याहू ने क्या कहा? : प्रधानमंत्री कार्यालय के बयान के अनुसार, इजरायल को गाजा के नासिर अस्पताल में हुई दुखद घटना पर गहरा अफसोस है। उन्होंने कहा कि इजरायल पत्रकारों, स्वास्थ्यकर्मियों और सभी नागरिकों के काम को महत्व देता है। सैन्य अधिकारी इस घटना की जांच कर रहे हैं। हमारा युद्ध केवल हमास के आतंकियों के खिलाफ है। हमारा एकमात्र लक्ष्य हमास को हराना और अपने बंधकों को सुरक्षित वापस लाना है।

पत्रकारों और डॉक्टरों की मौत : बता दें कि सोमवार की घटना में रॉयटर्स, एसोसिएटेड प्रेस और अल जजीरा के पत्रकार मारे गए। तीनों समाचार एजेंसियों ने इसकी पुष्टि की है। मृतकों में अल जजीरा के मोहम्मद सलामा, रॉयटर्स के कैमरामैन हुसाम अल-मसरी और एपी के लिए काम करने वाले स्वतंत्र पत्रकार मरियम अबू दक्का शामिल थे। गाजा के सिविल डिफेंस संगठन ने बताया कि उनके एक क्रू मेंबर की भी इस हमले में मौत हो गई।

अस्पताल प्रशासन का बयान : अस्पताल प्रशासन ने बताया कि इजरायल के पहले हमले में चौथी मंजिल को निशाना बनाया गया, और कुछ देर बाद दूसरी मंजिल पर हमला हुआ। इस हमले से एम्बुलेंस और आपातकालीन सुविधाओं को भी नुकसान पहुंचा। हमले के बाद पूरे अस्पताल में दहशत फैल गई और चारों ओर धुआं छा गया।

6 अगस्त से गाजा पर लगातार हमले : गौरतलब है कि कुछ दिन पहले भी इजरायल के एक हमले में कई पत्रकार मारे गए थे। इजरायल ने आरोप लगाया था कि मारा गया अल जजीरा का पत्रकार हमास के लिए काम करता था और वहां से वेतन लेता था। गाजा में इजरायली हमलों में सोमवार सुबह से कम से कम 61 लोग मारे गए हैं, जिनमें सात लोग मानवीय सहायता लेने के लिए कतार में खड़े थे। गाजा की नागरिक सुरक्षा के अनुसार, इजरायल ने 6 अगस्त से गाजा शहर में 1000 इमारतों को नष्ट कर दिया है।

इस रिएलिटी शो में नजर आएंगे अर्जुन बिजलानी

टीवी इंडस्ट्री के जाने-माने अभिनेता अर्जुन बिजलानी एक बार फिर सुर्खियों में हैं। 'मिले जब हम तुम', 'लेफ्ट राइट लेफ्ट' और 'नागिन' जैसे लोकप्रिय शोज में अपनी दमदार अदाकारी से दर्शकों का दिल जीत चुके अर्जुन अब एक नए रियलिटी शो का हिस्सा बनने जा रहे हैं। शो का नाम है 'राइज एंड फॉल', जिसे सितंबर में अमेजन एमएक्स प्लेयर पर स्ट्रीम किया जाएगा।

इंस्टाग्राम पर शेयर किया इमोशनल वीडियो अर्जुन बिजलानी ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक इमोशनल वीडियो शेयर किया था, जिसने उनके फैंस को सोचने पर मजबूर कर दिया। वीडियो में अर्जुन अपनी पत्नी नेहा और बेटे अयान का जिक्र करते हुए कहते हैं कि उन्हें एक मुश्किल फैसला लेना पड़ा है और अब वो एक अलग रास्ते पर बढ़ रहे हैं। उन्होंने अपने परिवार का हमेशा साथ देने के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि यह निर्णय उनके लिए आसान नहीं था। वीडियो के बाद सोशल मीडिया पर चर्चा तेज हो गई। कई लोगों ने इसे उनके निजी जीवन से जोड़ दिया और अलगाव की अटकलें भी लगाईं। लेकिन बाद में साफ हुआ कि यह वीडियो असल में उनके आने वाले शो 'राइज़ एंड फॉल' से जुड़ा था।

'राइज एंड फॉल' एक हाई-वोल्टेज रियलिटी शो है जिसमें 16 कंटेस्टेंट्स हिस्सा लेंगे। शो का फॉर्मेट पावर और स्ट्रैटेजी पर आधारित है। इसमें कंटेस्टेंट्स को दो वर्गों में बांटा जाएगा- शासक और कामगार। शासकों के पास अधिकार और फैसले लेने की ताकत होगी, जबकि कामगारों को उनका पालन करना होगा। लेकिन इस खेल में सत्ता स्थायी नहीं है। किसी भी वक्त शासक कामगार बन सकता है और कामगार शासक। इस तरह शो में लगातार ट्विस्ट एंड टर्न्स देखने को मिलेंगे।

अर्जुन बिजलानी के लिए नया चैलेंज

अर्जुन बिजलानी लंबे समय से टीवी इंडस्ट्री का हिस्सा रहे हैं और उन्होंने रोमांस से लेकर थ्रिलर और रियलिटी शोज तक हर फॉर्मेट में अपनी छाप छोड़ी है। लेकिन 'राइज एंड फॉल' उनके करियर का एक बिल्कुल नया मोड़ है। यह शो न केवल उनकी रणनीतिक सोच बल्कि धैर्य की भी परीक्षा लेगा।

रागिनी एमएमएस 3 में तमन्ना की एंट्री

बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया इन दिनों लगातार फिल्में साइन कर रही हैं। हाल ही में उन्होंने अजय देवगन की रेड 2 में स्पेशल अपीयरेंस दिया था और अब रिपोर्ट्स के मुताबिक वह एकता कपूर की सबसे चर्चित हॉरर-थ्रिलर फ्रैंचाइजी रागिनी एमएमएस 3 के तीसरे पार्ट में नजर आ सकती हैं। अगर सब कुछ तय होता है तो यह तमन्ना के करियर का सबसे अलग और बोल्ड प्रोजेक्ट साबित हो सकता है।

तमन्ना ने साइन की रागिनी एमएमएस 3

रिपोर्ट की मानें तो एकता कपूर काफी समय से रागिनी एमएमएस 3 को बनाने की प्लानिंग कर रही थीं। लंबे ब्रेनस्टॉर्मिंग के बाद अब उन्हें ऐसा सब्जेक्ट मिल गया है जो इस हॉरर यूनिवर्स के साथ पूरी तरह मेल खाता है। कहा जा रहा है कि फिल्म का शूटिंग शेड्यूल 2025 के आखिर में शुरू होगा। सूत्रों के मुताबिक, तमन्ना से इस फिल्म को लेकर बातचीत उनकी आने वाली फिल्म वीवन के सेट पर हुई थी, जहां उन्होंने स्क्रिप्ट सुनकर फिल्म को हां कर दिया है। खबरें ये भी हैं कि फिल्म सिर्फ डर और थ्रिल तक सीमित नहीं होगी बल्कि इसमें म्यूजिक और ग्लैमर का तड़का भी लगेगा। मेकर्स ऐसा चार्टबस्टर सॉन्ग तैयार करने की कोशिश में हैं जो पूरे देश में धूम मचा दे। हालांकि इसे लेकर कोई ऑफिशियल ऐलान नहीं हुआ है। साल 2011 में रिलीज हुई पहली रागिनी एमएमएस में राजकुमार राव और कैनाज मोटिवाला लीड में थे। फिल्म को दर्शकों ने हॉरर और थ्रिल के नए कॉम्बिनेशन के तौर पर सराहा। इसके बाद 2014 में आई दूसरी किस्त रागिनी एमएमएस 2, जिसमें सनी लियोनी नजर आईं। यह फिल्म भी हिट रही और इसके गाने लंबे समय तक पार्टी चार्ट पर छाए रहे। अब पूरे दस साल बाद एकता कपूर इस फ्रैंचाइजी को आगे बढ़ाने की तैयारी कर रही हैं और तमन्ना को इसके लिए एकदम परफेक्ट फिट माना जा रहा है।

तमन्ना के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स

तमन्ना के पास इस वक्त कई बड़े प्रोजेक्ट्स हैं। वह विशाल भारद्वाज की फिल्म रोमियो में शाहिद कपूर के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी। वहीं एक्शन स्टार जॉन अब्राहम के साथ भी उनका एक प्रोजेक्ट पाइपलाइन में है। सबसे चर्चित फिल्म उनकी वीवन है जिसमें वह सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ नजर आएंगी। इस फिल्म की रिलीज डेट पहले ही तय हो चुकी है और यह 15 मई 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

मेरी हर फिल्म ने मुझे एक अलग अनुभव दिया

अभिनेत्री तनीषा मुखर्जी ने अपने फिल्मी करियर में कई तरह की फिल्मों में काम किया है, जिनमें से कुछ ने दर्शकों का दिल जीता, तो कुछ बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा प्रभाव नहीं छोड़ पाईं। लेकिन, तनीषा का मानना है कि उनकी हर फिल्म ने उन्हें कुछ न कुछ सिखाया। अपनी फिल्मी यात्रा के बारे में बात करते हुए तनीषा ने कहा, मैंने जितनी भी फिल्में की हैं, हर एक ने मुझे कुछ न कुछ सिखाया है। चाहे वो भावनाओं से भरी फिल्म टैंगो चार्ली हो, मस्ती भरी फिल्में पॉपकॉर्न या नील एन निक्की या फिर कॉमेडी जैसी 123, हर फिल्म का अनुभव अलग रहा। सरकार जैसी फिल्म मेरे लिए बिल्कुल नया अनुभव था, जहां मैंने राजनीति पर बनी कहानी में शानदार कलाकारों के साथ काम किया। अभिनेत्री के करियर की तो उन्होंने फिल्म टैंगो चार्ली में बॉबी देओल के अपोजिट लच्छी का किरदार निभाया था, जो एक साधारण और गहरी भावनाओं वाली भूमिका थी। यह फिल्म जंग और फर्ज की सच्चाइयों पर आधारित थी। पॉपकॉर्न... में तनीषा ने एक कॉलेज थीम वाली फिल्म में युवा जोश को जीवंत किया था। प्रीतिश नंदी कम्युनिकेशंस द्वारा निर्मित इस फिल्म में उनका चुलबुला अंदाज और बेफिक्र किरदार दर्शकों को खूब भाया। यह फिल्म आज भी युवा ऊर्जा और कॉलेज जीवन की मस्ती को दर्शाती है। नील एन निक्की में तनीषा ने आधुनिक रोमांस की दुनिया में कदम रखा था। यह फिल्म यात्रा, संगीत और युवा आकर्षण से भरी थी। तनीषा ने अपने किरदार को रंगीन और जीवंत अंदाज में पेश किया, जो आज भी समकालीन रोमांस का प्रतीक है। वहीं, सरकार में तनीषा ने अपनी छाप छोड़ी। इस फिल्म में उन्होंने अमिताभ बच्चन जैसे दिग्गजों के साथ स्क्रीन साझा की। जटिल कहानी और गहरे किरदारों के बीच उनका अभिनय उनकी बहुमुखी प्रतिभा को दर्शाता है, जो आज भी प्रशंसनीय है।

30 साल बाद रजनीकांत के साथ काम करेंगे मिथुन

वेटरेन एक्टर मिथुन चक्रवर्ती 75 साल की उम्र में भी फिल्मों में लगातार सक्रिय हैं। वो जल्द ही विवेक अग्निहोत्री की आगामी फिल्म 'द बंगाल फाइल्स' में नजर आएंगे। इसके अलावा मिथुन चक्रवर्ती की पाइपलाइन में साउथ सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म 'जेलर 2' भी है। इसको लेकर पिछले काफी वक्त से चर्चा चल रही थी। बातचीत के दौरान मिथुन चक्रवर्ती ने इन चर्चाओं पर विराम लगाते हुए बताया है कि वो रजनीकांत के साथ फिल्म 'जेलर 2' में नजर आने वाले हैं। रजनीकांत के साथ अपनी दोस्ती और बॉन्डिंग को लेकर बात करते हुए उन्होंने कहा, मेरी और रजनी की दोस्ती बहुत पुरानी है। हम अलग-अलग भाषाओं और इंडस्ट्री से आते हैं, लेकिन दिल से हमेशा जुड़े रहे। हाल ही में हम एक कार्यक्रम में मिले। रजनी ने मजाक में कहा कि अब हमें साथ कुछ करना चाहिए। मैंने उसी वक्त हां कह दिया। यह सिर्फ फिल्म नहीं बल्कि दो दोस्तों का मिलन है।रजनीकांत और मिथुन चक्रवर्ती लगभग 30 साल बाद एक साथ नजर आने वाले हैं। दोनों इससे पहले आखिरी बार साल 1995 में आई बंगाली भाषा की फिल्म 'भाग्य देवता' में नजर आए थे। इस फिल्म में रजनीकांत का स्पेशल अपीयरेंस था और यह उनकी एकमात्र बंगाली फिल्म भी है।

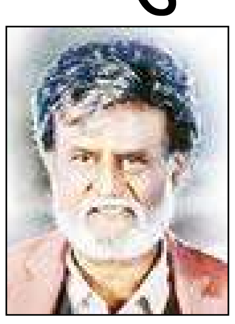

वरुण-जान्हवी की फिल्म की शूटिंग हुई खत्म

वरुण धवन, जान्हवी कपूर, सान्या मल्होत्रा और रोहित सराफ स्टारर फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी की शूटिंग आखिरकार पूरी हो चुकी है। फिल्म का निर्देशन शशांक खेतान ने किया है, जो पहले भी वरुण धवन के साथ हंप्टी शर्मा की दुल्हनिया और बद्रीनाथ की दुल्हनिया जैसी सफल फिल्में बना चुके हैं।

रैप-अप फोटो से हुआ ऐलान

फिल्म के सेट से शूटिंग खत्म होने की घोषणा बड़े ही खास अंदाज में की गई। पूरी स्टारकास्ट ने एक साथ टीम फोटो क्लिक करवाई, जिसमें सभी कलाकार खास टी-शर्ट पहने दिखाई दिए। इस फोटो को रोहित सराफ ने सोशल मीडिया पर साझा किया और लिखा कि इस फिल्म को बनाते समय पूरी टीम ने बहुत मस्ती की और दर्शकों को भी यह फिल्म खूब पसंद आएगी। वरुण धवन ने भी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पर्दे के पीछे की तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें करण जौहर और डायरेक्टर शशांक खेतान भी नजर आए। वरुण ने कैप्शन में लिखा कि ये फिल्म पूरी हो चुकी है और वह एक बार फिर शशांक खेतान के निर्देशन में दर्शकों से मिलने आ रहे हैं। उन्होंने रिलीज डेट का भी जिक्र किया और बताया कि फिल्म 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

जान्हवी और सान्या संग वरुण की नई केमिस्ट्री

फिल्म की घोषणा के बाद से ही दर्शकों के बीच इसकी काफी चर्चा रही है। वरुण और जान्हवी इससे पहले भी साथ नजर आ चुके हैं, लेकिन इस बार उनकी जोड़ी रोमांटिक कॉमेडी में नए अंदाज में दिखाई देगी। वहीं, सान्या मल्होत्रा की मौजूदगी फिल्म में ताजगी लाने वाली है। रोहित सराफ, मनीष पॉल और अक्षय ओबेरॉय भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे

बॉक्स ऑफिस पर होगा टकराव

दिलचस्प बात यह है कि सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी की रिलीज डेट पहले से ही चर्चा में है। यह फिल्म 2 अक्टूबर को रिलीज होगी और इसी दिन कांतारा- चैप्टर 1 भी सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। दोनों फिल्मों की भिड़ंत से बॉक्स ऑफिस पर जोरदार मुकाबला देखने को मिलेगा। निर्देशक शशांक खेतान और वरुण धवन की जोड़ी पहले भी दर्शकों को एंटरटेन कर चुकी है। हंप्टी शर्मा की दुल्हनिया और बद्रीनाथ की दुल्हनिया दोनों ही फिल्में हिट साबित हुई थीं। ऐसे में दर्शकों को इस तीसरे प्रोजेक्ट से भी बड़ी उम्मीदें हैं।

अल्लू की AA22XA6 में राम्या कृष्णन की एंट्री
पहली बार साथ में करेंगे काम

बाहुबली में राजमाता शिवगामी का दमदार किरदार निभाकर घर-घर में मशहूर हुईं दिग्गज अभिनेत्री राम्या कृष्णन अब अल्लू अर्जुन की अगली धमाकेदार फिल्म का हिस्सा बन गई हैं। इस फिल्म में उनका रोल काफी अहम बताया जा रहा है। राम्या की कास्टिंग से इस फिल्म की स्टार कास्ट और भी ज्यादा दमदार हो गई है, जिसमें पहले से ही दीपिका पादुकोण, मृणाल ठाकुर, रश्मिका मंदाना और जाह्नवी कपूर जैसे बड़े नाम शामिल हैं। यह पहला मौका होगा जब राम्या, अल्लू अर्जुन और डायरेक्टर एटली तीनों के साथ काम करेंगे। सूत्रों के अनुसार, वो जल्द ही फिल्म के आने वाले शूटिंग शेड्यूल में शामिल होंगी।

फिल्म की कहानी एक पैरेलल यूनिवर्स में सेट है

AA22XA6 को एक हाई-कॉन्सेप्ट एक्शन फिल्म के तौर पर पेश किया जा रहा है, जिसकी कहानी एक पैरेलल यूनिवर्स में सेट है। फिल्म का स्केल बहुत बड़ा है और इसे हॉलीवुड स्तर का बनाने की कोशिश की जा रही है। फिल्म की शूटिंग जून में मुंबई में शुरू हो गई थी, जहां अल्लू और मृणाल कुछ एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग कर रहे हैं। फिल्म का बजट बहुत बड़ा है और इसे 2026 के अंत तक दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज करने की प्लानिंग है।

लॉस एंजिल्स की टॉप VFX कंपनियां संभाल रहीं काम

फिल्म के एक्शन को और भी शानदार बनाने के लिए, एटली ने हॉलीवुड के जाने-माने स्टंट कोरियोग्राफर्स को भी टीम में शामिल किया है, जिसमें फास्ट एंड फ्यूरियस और कैप्टन अमेरिका सिविली वॉर जैसी फिल्मों के लिए काम कर चुके स्पिरो रजाटोस भी शामिल हैं। फिल्म में स्पेशल इफेक्ट्स का काम लॉस एंजिल्स की टॉप VFX कंपनियां संभाल रही हैं, ताकि दर्शकों को एक शानदार विजुअल अनुभव मिल सके। म्यूजिक की बात करें तो, इस बार एटली ने अपने पुराने और भरोसेमंद साथी अनिरुद्ध रविचंदर के बजाय पिछले साल के वायरल हिट कैची सेरा के म्यूजिशियन साई अभ्यंकर पर भरोसा जताया है। वहीं अल्लू की आने वाली अन्य फिल्मों में पुष्पा 3 भी है। अल्लू इस समय अपनी कई बड़ी फिल्मों को लेकर सुर्खियों में हैं। AA22XA6 के अलावा, उनकी और भी कई फिल्में पाइपलाइन में हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पुष्पा 3- द रैम्पेज 2026 में रिलीज हो सकती है। पुष्पा 3 में अल्लू एक बार फिर पुष्पा राज के किरदार में नजर आएंगे।

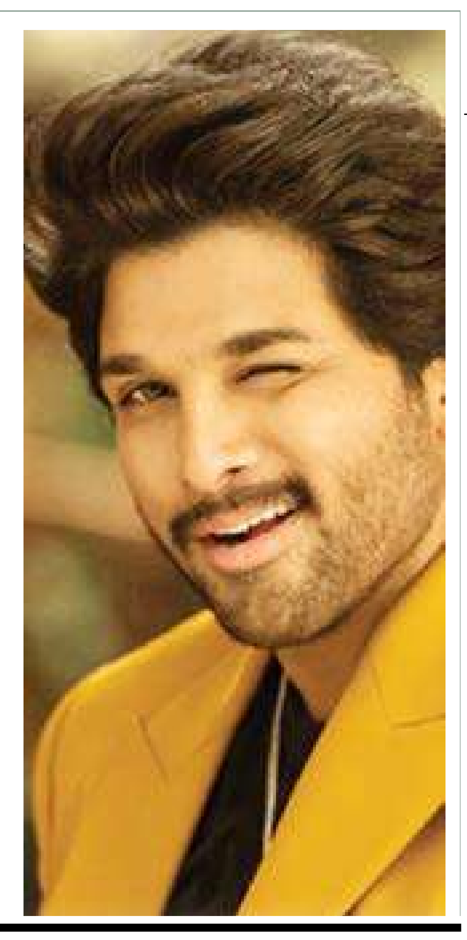

28 और 29 अगस्त को नानी दमण समुद्रनारायण मंदिर के पास जेटी पर नहीं होगा गणपति विसर्जन

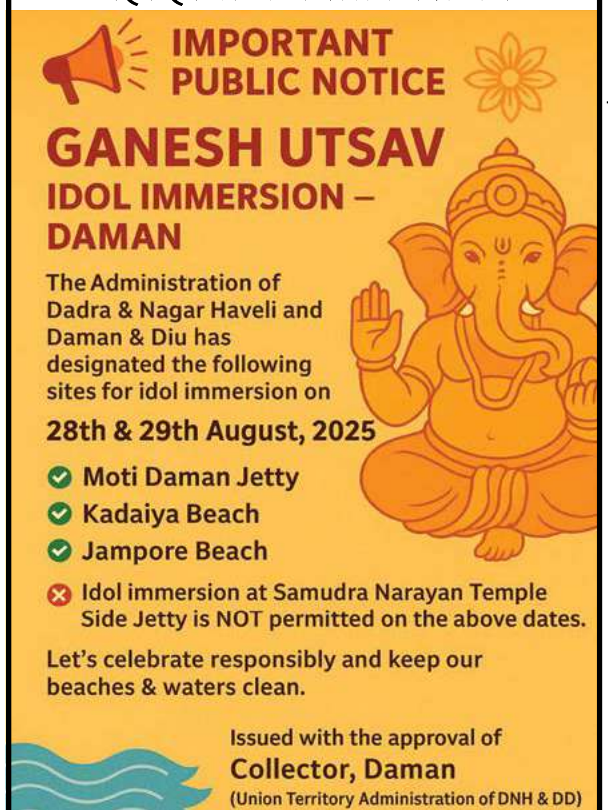

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 27 अगस्त। दमण जिला प्रशासन ने 28 और 29 अगस्त को नानी दमण समुद्रनारायण मंदिर के पास जेटी पर गणेश प्रतिमाओं को विसर्जन करने पर रोक लगाई है। गणेश मंडल अपनी-अपनी प्रतिमाओं का प्रशासन द्वारा तय किये गये तीन स्थल कडैया बिच, मोटी दमण जेटी और जंपोर बिच पर विसर्जन कर सकते है। 30 अगस्त से नानी दमण समुद्रनारायण मंदिर के पास जेटी पर भी विसर्जन किया जा सकेगा।

નવમી પુણ્યતિથિએ શ્રદ્ધાંજલિ

સ્વ.નટુભાઈ મોહનભાઈ પટેલ
જન્મ તા. ૮/૬/૧૯૫૬
સ્વ.તા. ૨૮/૮/૨૦૧૬

એક પિતાનો ચેહરો જે દ્રષ્ટિ માંથી ભૂલાય નહીં એક પિતાનું વ્યકિતત્વ જે ક્યારેય હવે મળશે નહિ જેમનું નામ હૃદયમાં સતત ગુંજ્યા કરે અને ફુલ બની આસપાસ મહેંક્યા કરે. એવા પિતા શ્રીને અમારી હૃદય પૂર્વકની શ્રધ્ધાંજલિ

લિ.
શૈલેષભાઈ નટુભાઈ પટેલ
કમલભાઈ નટુભાઈ પટેલ
તથા સમસ્ત પટેલ પરિવાર

સ્થળ : મું.પલસેટ, ઝરી ત્રણ રાસ્તા, મોહનગામ.

स्वामी: मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)

संघ प्रदेश थ्रीडी में
सेवा संकल्प के साथ
9 वर्षों का विश्वास,
निरंतर विकास
महेश आगरिया
प्रमुख, संघ प्रदेश थ्रीडी भाजपा

श्री नरेन्द्रभाई मोदी
माननीय प्रधानमंत्री, भारत सरकार
श्री प्रफुलभाई पटेल
माननीय प्रशासक, संघ प्रदेश थ्रीडी तथा लक्षद्वीप
संघ प्रदेश थ्रीडी में
सेवा संकल्प के साथ
9 वर्षों का विश्वास,
निरंतर विकास
जिग्नेश पटेल
महामंत्री, संघ प्रदेश थ्रीडी भाजपा

हिताक्षी पटेल
सरपंच, धेलवाड ग्राम पंचायत
संघ प्रदेश थ्रीडी में
सेवा संकल्प के साथ
9 वर्षों का विश्वास,
निरंतर विकास

संघ प्रदेश थ्रीडी में सेवा संकल्प के
साथ 9 वर्षों का विश्वास, निरंतर विकास
लालू पटेल
पूर्व सांसद, दमण-दीव
तरुणा पटेल
भाजपा नेत्री, संघ प्रदेश थ्रीडी

श्री नरेन्द्रभाई मोदी
माननीय प्रधानमंत्री, भारत सरकार
श्री प्रफुलभाई पटेल
माननीय प्रशासक, संघ प्रदेश थ्रीडी तथा लक्षद्वीप
संघ प्रदेश थ्रीडी में
सेवा संकल्प के साथ
9 वर्षों का विश्वास, निरंतर विकास
अस्पी दमणिया
प्रेसिडेंट, डीएमसी

संघ प्रदेश थ्रीडी में सेवा संकल्प के
साथ 9 वर्षों का विश्वास, निरंतर विकास
जागृति पटेल
प्रमुख, दमण जिला पंचायत

संघ प्रदेश थ्रीडी में
सेवा संकल्प के साथ
9 वर्षों का विश्वास,
निरंतर विकास
पवन अग्रवाल
प्रेसिडेंट, दमण इंडस्ट्रीज एसो.

संघ प्रदेश थ्रीडी में सेवा
संकल्प के साथ 9 वर्षों का
विश्वास, निरंतर विकास
रमेश कुंदनानी
चीफ एडवाइजर, डीआईए

विशाल टंडेल
भाजपा अग्रणी, संघ प्रदेश थ्रीडी
संघ प्रदेश थ्रीडी में
सेवा संकल्प के साथ
9 वर्षों का विश्वास,
निरंतर विकास

संघ प्रदेश थ्रीडी में सेवा संकल्प के
साथ 9 वर्षों का विश्वास, निरंतर विकास
रामजी पारसमणी, भीखाभाई वैश्य,
पूजाभाई बामणिया, वणाकबारा ग्रुप

संघ प्रदेश थ्रीडी में
सेवा संकल्प के साथ
9 वर्षों का विश्वास,
निरंतर विकास
गौरांग पटेल
भाजपा के युवा अग्रणी

श्री नरेन्द्रभाई मोदी
माननीय प्रधानमंत्री, भारत सरकार
श्री प्रफुलभाई पटेल
माननीय प्रशासक, संघ प्रदेश थ्रीडी तथा लक्षद्वीप
संघ प्रदेश थ्रीडी में
सेवा संकल्प के साथ
9 वर्षों का विश्वास,
निरंतर विकास
राकेशसिंह चौहाण
पूर्व प्रेसिडेंट, एसएमसी

संघ प्रदेश थ्रीडी में
सेवा संकल्प के साथ
9 वर्षों का विश्वास,
निरंतर विकास
श्री नरेन्द्रभाई मोदी
माननीय प्रधानमंत्री, भारत सरकार
श्री प्रफुलभाई पटेल
माननीय प्रशासक, संघ प्रदेश थ्रीडी तथा लक्षद्वीप
निशा भावर
पूर्व अध्यक्ष, दानह जिला पंचायत

संघ प्रदेश थ्रीडी में सेवा संकल्प के
साथ 9 वर्षों का विश्वास,
निरंतर विकास
फाल्गुनी पटेल
उपाध्यक्ष, संघ प्रदेश थ्रीडी भाजपा

संघ प्रदेश थ्रीडी में
सेवा संकल्प के साथ
9 वर्षों का विश्वास,
निरंतर विकास
उर्वशी पटेल
सरपंच, आटियावाड ग्राम पंचायत

संघ प्रदेश थ्रीडी में सेवा संकल्प के साथ 9 वर्षों का विश्वास, निरंतर विकास

दमण इंडस्ट्रीज एसोसिएशन

"सेवा संकल्प के साथ" 9 वर्षों का विश्वास, निरंतर विकास

श्री नरेन्द्रभाई मोदी
माननीय प्रधानमंत्री,
भारत सरकार

दिलीपनगर डेवलपमेंट एसोसिएशन
द्वारा
महायज्ञ और महाप्रसाद का आयोजन

तारीख और स्थल
28 अगस्त, 2025
गुरुवार
दिलीपनगर ग्राउंड, नानी दमण

समय
हवन का समय
सुबह 10:00 बजे
से दोपहर 1:00 बजे तक

महाप्रसादः दोपहर 12:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक

श्री प्रफुलभाई पटेल
माननीय प्रशासक,
संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और
दमण-दीव एवं लक्षद्वीप

संघ प्रदेश थ्रीडी के तीनों जिलों में विभिन्न पंडालों में आस्था के साथ विराजे विघ्नहर्ता गणेश

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 28 अगस्त। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव के तीनों जिलों में विभिन्न गणेश मंडलों द्वारा आज भक्ति एवं आस्था के साथ गणपति बप्पा की प्रतिमा स्थापित की गई। विभिन्न पंडालों में विराजे विघ्नहर्ता गणेश का भक्तों ने दर्शन कर देश एवं प्रदेश की सुख, शांति एवं खुशहाली की कामना की।

संघ प्रदेश श्रीडी में सेवा संकल्प के साथ 9 वर्षों का विश्वास, निरंतर विकास
सविता पटेल
सरपंच, दुनेठा ग्राम पंचायत
भरत पटेल
अध्यक्ष, दमण जिला भाजपा

संघ प्रदेश श्रीडी में सेवा संकल्प के साथ 9 वर्षों का विश्वास, निरंतर विकास
श्री नरेन्द्रभाई मोदी
श्री प्रफुलभाई पटेल
मुकेश पटेल
डीएमसी काउंसिलर
मनोज नायक
पूर्व प्रेसिडेंट, डीएमसी

संघ प्रदेश श्रीडी में सेवा संकल्प के साथ 9 वर्षों का विश्वास, निरंतर विकास
मोहन लकमने
प्रमुख, दीव जिला भाजपा

सोमनाथ ग्राम पंचायत
संघ प्रदेश श्रीडी में सेवा संकल्प के साथ 9 वर्षों का विश्वास, निरंतर विकास
चैताली कामली
सरपंच, सोमनाथ ग्राम पंचायत
महेन्द्र कामली
भाजपा अग्रणी, दमण

संघ प्रदेश श्रीडी में सेवा संकल्प के साथ 9 वर्षों का विश्वास, निरंतर विकास
श्री नरेन्द्रभाई मोदी
माननीय प्रधानमंत्री, भारत सरकार
श्री प्रफुलभाई पटेल
माननीय प्रशासक, संघ प्रदेश श्रीडी तथा लक्षद्वीप
आशीष टंडेल
पूर्व वाइस प्रेसिडेंट, डीएमसी

संघ प्रदेश श्रीडी में सेवा संकल्प के साथ 9 वर्षों का विश्वास, निरंतर विकास
श्री नरेन्द्रभाई मोदी
माननीय प्रधानमंत्री, भारत सरकार
श्री प्रफुलभाई पटेल
माननीय प्रशासक, संघ प्रदेश श्रीडी तथा लक्षद्वीप
जिग्नेश टंडेल
पूर्व प्रेसिडेंट, डीएमसी
चेयरमैन, सार्वजनिक स्कूल
विवेक भाठेला
बिजनेसमैन, वाइस चेयरमैन, सार्वजनिक स्कूल

संघ प्रदेश श्रीडी में सेवा संकल्प के साथ 9 वर्षों का विश्वास, निरंतर विकास
धवल देसाई
एनसीपी अध्यक्ष, संघ प्रदेश श्रीडी

संघ प्रदेश श्रीडी में सेवा संकल्प के साथ 9 वर्षों का विश्वास, निरंतर विकास
शंकर पटेल
सरपंच, कडैया ग्राम पंचायत

श्री प्रफुलभाई पटेल
श्री नरेन्द्रभाई मोदी
संघ प्रदेश श्रीडी में सेवा संकल्प के साथ 9 वर्षों का विश्वास, निरंतर विकास
मुकेश गोसावी
सरपंच, दमणवाडा ग्राम पंचायत

जिला पंचायत दमण
DISTRICT PANCHAYAT DAMAN
Shri Narendra Modi
Prime Minister
9 साल बेमिसाल
और
श्री प्रफुलभाई पटेल के
जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं
Shri Praful Patel
Administrator
DNH and Daman and Diu and Lakshadweep
Shaswat Graphics